सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव*
18 कैरेट रेट* (75.00%) = ₹114621/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) = ₹139990/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) = ₹152813/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
aNaND Jewels
Pandri, Raipur

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com
बिलासपुर, बुधवार 3 जून 2026

सरकार ने वाहन डीलरों पर कड़े नियम लागू करने की तैयारी की

केंद्र के आदेश पर तैयारी, सेकेंड हैंड गाड़ियों का धंधा करने देनी होगी बैंक गारंटी, नियम तोड़ा तो रकम जब्त, कारोबार होगा बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में सेकेंड हैंड गाड़ियों का कारोबार करने वालों को अब अपना व्यवसाय चलाने के लिए लाखों रुपए खर्च करने होंगे। दरअसल सरकार अब इन कारोबारियों से 1 से लेकर 5 लाख रुपए की बैंक गारंटी लेगी। इसके बाद ही वे अधिकृत वाहन डीलर बन पाएंगे। यही नहीं, अगर नियम नहीं माने, तो बैंक गारंटी की रकम जब्त होगी और कारोबार भी बंद करवा दिया जाएगा।

ये है मामला

राज्य सरकार के परिवहन विभाग ने यह नई व्यवस्था लागू करने के लिए छत्तीसगढ़ मोटरयान नियम, 1994 में संशोधन प्रस्तावित किया है। राज्य सरकार का यह कदम केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के आदेश के क्रियान्वयन में है। प्रस्ताव पर आम जनता और संबंधित पक्षों से 30 दिनों के भीतर सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित की गई हैं।

किस वाहन पर कितनी बैंक गारंटी

प्रस्तावित नियमों के अनुसार मोटरसाइकिल, दिव्यांग वाहन, ई-रिक्शा और ई-कार्ट के कारोबार के लिए एक-एक लाख रुपये की बैंक गारंटी जमा करनी होगी। हल्के मोटर वाहनों के ▶▶| शेष पेज 6 पर

वाहन लेन-देन की पूरी प्रक्रिया होगी ऑनलाइन

संशोधन मसौदे में पुराने वाहनों के कारोबार को पूरी तरह डिजिटल निगरानी के दायरे में लाने का भी प्रावधान किया गया है। अधिकृत डीलर को वाहन प्राप्त होने के दिन ही पोर्टल पर उसका इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड दर्ज करना होगा। वाहन मालिक और डीलर के बीच वाहन सौंपने तथा वापस लेने की प्रक्रिया भी निर्धारित ऑनलाइन प्रपत्रों के माध्यम से पूरी करनी होगी, जिसके बाद पोर्टल स्वतः पावती संख्या जारी करेगा। डीलरों को अपने पास मौजूद वाहनों का इलेक्ट्रॉनिक इन्वेंट्री रिकॉर्ड तथा डिजिटल रजिस्टर भी पोर्टल पर बनाए रखना होगा। इसके अलावा गिरवी या फाइनेंस पर खरीदे गए वाहनों के मामलों में वित्तीय संस्थान की सहमति लेना अनिवार्य होगा।

पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था भी अनिवार्य

सरकार ने अधिकृत डीलरों के लिए पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करना भी जरूरी किया है। साथ ही कार्यस्थल पर अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता बनाए रखने का प्रावधान किया गया है। डीलरों को वास्तविक और वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने, लागू नियमों का पालन करने तथा वाहनों से संबंधित सभी बकाया देनदारियों के निपटान की जिम्मेदारी भी निभानी होगी।

नियम तोड़ने पर प्रमाणपत्र रद्द और गारंटी जब्त

प्रस्तावित संशोधन के अनुसार यदि कोई अधिकृत डीलर नियमों का उल्लंघन करता है या निर्धारित शर्तों का पालन नहीं करता, तो संबंधित पंजीयन प्राधिकारी उसे सुनवाई का अवसर देने के बाद कार्रवाई कर सकेगा। ऐसी स्थिति में डीलर का प्राधिकरण प्रमाणपत्र निलंबित या निरस्त किया जा सकता है। इसके अलावा जमा की गई बैंक गारंटी राशि भी जब्त की जा सकती है।

ये है सरकार का उद्देश्य

परिवहन विभाग के इस प्रस्ताव को राज्य में तेजी से बढ़ रहे सेकेंड हैंड वाहन बाजार को व्यवस्थित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बैंक गारंटी, ऑनलाइन रिकॉर्ड प्रबंधन और जवाबदेही से जुड़े प्रावधानों के जरिए सरकार वाहन स्वामित्व हस्तांतरण की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने तथा फर्जीवाड़े और विवादों की संभावनाओं को कम करने का प्रयास कर रही है।

12वीं बोर्ड परीक्षा में ऑन-स्क्रीन मार्किंग विवाद के बाद सरकार का बड़ा एक्शन

लोखंडे प्रशांत सीताराम नए चेयरमैन और वरुण भारद्वाज नए सचिव नियुक्त

सीबीएसई चेयरमैन-सचिव हटाए गए ओएसएम खरीदी सिस्टम की होगी जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी स्कूली परीक्षा संस्था सीबीएसई की कार्यप्रणाली, आंतरिक व्यवस्था और हाल में चल रहे विवाद को लेकर सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सीबीएसई के चेयरमैन राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता का तबादला कर दिया गया। इसके साथ ही ओएसएम सर्विस के टेंडर और खरीद प्रक्रिया की जांच के लिए कमेटी गठित की गई है।

केंद्र सरकार ने कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा के लिए सीबीएसई द्वारा अपनाई गई डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली में कथित अनियमितताओं के मद्देनजर यह कदम उठाया। सीबीएसई उस समय विवादों में घिर गई, जब कक्षा 12 के कुछ छात्रों ने आरोप लगाया कि बोर्ड की ओर से अपलोड की गई उनकी उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन प्रतियां उनकी लिखावट से मेल नहीं खातीं। इससे ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली में उत्तर पुस्तिकाओं के मिलान में संभावित गड़बड़ी को लेकर चिंताएं बढ़ गईं। अधिकारियों के मुताबिक, सरकार ने सीबीएसई के चेयरमैन और सचिव का तबादला कर दिया है। सीबीएसई बोर्ड परीक्षा प्रक्रिया में ओएसएम प्रणाली के कार्यान्वयन को लेकर छात्रों और अभिभावकों ने चिंताएं जताई हैं। तकनीकी खामियों, भुगतान संबंधी ▶▶| शेष पेज 6 पर

- छात्रों के फीडबैक के बाद री-इवैल्यूएशन पोर्टल में बदलाव

राधा चौहान की अध्यक्षता में जांच समिति

केंद्र सरकार ने ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली का ठेका देने के लिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से अपनाई गई प्रक्रिया से संबंधित मुद्दों की जांच के लिए एक-सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह जांच समिति ओएसएम सेवाओं की खरीद, टेंडर प्रक्रिया और उससे जुड़े विभिन्न पहलुओं की पड़ताल करेगी। समिति की अध्यक्षता कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन की चेयरपर्सन एस. राधा चौहान करेंगी। समिति को सीबीएसई द्वारा ओएसएम सिस्टम के लिए सेवाओं की खरीद से जुड़े सभी मामलों की जांच करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

क्या है मामला

दरअसल, 13 मई को सीबीएसई ने 12वीं का रिजल्ट जारी किया था। इस बार पहली बार कॉपियां कंप्यूटर स्क्रीन (ओएसएम सर्विस) पर चेक की गई थीं। रिजल्ट आने के बाद कई छात्रों ने नंबरों को लेकर शिकायत की, जिसके बाद पूरे मामले की जांच शुरू की गई।

री-ईवैल्यूएशन पोर्टल पर साइबर अटैक

उधर, री-ईवैल्यूएशन पोर्टल पर साइबर अटैक हुआ। सीबीएसई के अनुसार, 2 मिनट में 15 लाख एक्सेस अटेंप्ट हुए, जबकि 1 लाख से ज्यादा बार सिस्टम की फाइलों तक बिना अनुमति पहुंचने की कोशिश की गई। हालांकि, साइबर अटैक के बावजूद पोर्टल काम करता रहा और दोपहर 3 बजे तक 16 हजार ▶▶| शेष पेज 6 पर

कब क्या हुआ

- 13 मई- सीबीएसई ने 12वीं बोर्ड परीक्षा के नतीजे घोषित किए
- 19 मई- पोस्ट रिजल्ट शिकायतों के समाधान के लिए पोर्टल खोला, लेकिन पहले ही दिन क्रैश हो गया
- 22 मई- तीन बार एक-एक दिन के लिए आंसरशीट की फोटोकॉपी लेने की तारीख बढ़ाई गई
- 25 मई- पोर्टल दुरुस्त करने के लिए देश के दो आईआईटी से मदद मांगी गई
- 1 जून- ओएसएम का रीवैल से जुड़ा पोर्टल दिन भर नहीं खुल सका
- 2 जून- बोर्ड ने पोर्टल लाइव करने की घोषणा की, यह 6 जून तक ओपन रहेगा

एक्सपर्ट व्यू

ओएसएम खलनायक नहीं है, व्यवस्था खलनायक है!

ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) को लेकर होने वाली बहस अक्सर एक गलत विकल्प का शिकार हो जाती है। या तो इसके कार्यान्वयन की हर कमी को स्वीकार कर लिया जाए या फिर इस पूरी व्यवस्था को ही छोड़ दिया जाए। वास्तविकता इससे कहीं अधिक सूक्ष्म है। ओएसएम मूल रूप से त्रुटिपूर्ण नहीं है। वास्तव में, यह दुनिया के कई सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा और मूल्यांकन निकायों द्वारा अपनाई गई एक वैश्विक सर्वोत्तम प्रथा है। चुनौती इसके विचार (कांसेप्ट) में नहीं, बल्कि इसके निष्पादन की गुणवत्ता में है। दुनिया भर में, बड़े पैमाने पर होने वाली परीक्षाएं तेजी से डिजिटल मूल्यांकन की ओर बढ़ी हैं क्योंकि यह पारंपरिक कागज-आधारित मार्किंग की तुलना में कई लाभ प्रदान करता है। इनमें परीक्षकों की बेहतर निगरानी, लॉजिस्टिक (आवागमन और प्रबंधन) में होने वाली देरी में कमी, बेहतर ट्रेसिबिलिटी (पता लगाने की क्षमता), उन्नत गुणवत्ता नियंत्रण और मार्किंग पैटर्न में विसंगतियों का पता लगाने के लिए एनालिटिक्स का उपयोग करने की ▶▶| शेष पेज 6 पर

डॉ. जवाहर सूरी शेट्टी
शिक्षा विद एवं कुलपति, रूंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी, भिलाई

आदिवासी समाज ने दिया 20 जून तक का अल्टीमेटम

पाटेश्वर धाम मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद

हरिभूमि फॉलोअप

पाटेश्वरधाम मामले को लेकर सर्व आदिवासी समाज ने जिला प्रशासन को कार्रवाई के लिए 20 जून तक का समय दिया है, अन्यथा उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। मंगलवार को लगातार दूसरे दिन कलेक्टरेट पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन के सामने अपनी बात रखी।

कलेक्टर परिसर के बाहर ही अधिकारियों के समक्ष अपनी मांगें रखते हुए समाज ने इस पर जल्द कार्यवाही की अपेक्षा जताई। इस दौरान कहा गया कि अगर प्रशासन द्वारा इन मांगो पर कोई कार्यवाही जल्द नही की जाती है तो 20 जून को संघ द्वारा पुनः उग्र ▶▶| शेष पेज 6 पर

क्या हैं मांगें

सर्व आदिवासी समाज आरक्षित वन क्षेत्र में कथित तौर पर किए जा रहे अवैध निर्माण और पक्के निर्माण को तुरंत रोकने और तोड़ने की मांग कर रहा है। समाज का आरोप है कि वन भूमि और आदिवासी देव स्थलों पर नियमों के खिलाफ कब्जा किया जा रहा है, जिसे प्रशासन द्वारा खाली कराया जाना चाहिए। साथ ही आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और उनके धार्मिक स्थलों (देव स्थलों) से कथित छेड़छाड़ करने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की जा रही है। समाज का कहना है कि प्रशासन वन क्षेत्रों में ग्राम सभा के अधिकारों की अनदेखी कर रहा है, जिसका पालन सख्ती से किया जाना चाहिए।

दुष्कर्म पीड़िता की मौत की होगी जांच

जशपुरनगर। जिले के कुनकुरी थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां दुष्कर्म की शिकार हुई 18 वर्षीय मूक बधिर युवती की स्वास्थ्य अधिक बिगड़ने से उसकी मौत हो गई। प्रशासन ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं।

युवती को घटना के बाद 3 अप्रैल से सखी सेंटर में रखा गया था, जहां उसकी देखरेख और उपचार की व्यवस्था की जा रही थी। 19 मई को उसकी तबीयत अचानक बिगड़ने पर जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जीएस जात्रा ने बताया कि पोस्टमार्टम के दौरान युवती के शरीर से सेफ्टी पिन और कॉर्क (कॉक) के कुछ हिस्सों जैसी संदिग्ध वस्तुएं मिली हैं।

- पीएम में मिले सेफ्टी पिन और कॉर्क
- प्रशासन ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए

SIKSHA 'O' ANUSANDHAN
(Deemed to be University)
SAAT-2026
Empowering students for a brighter future
LAW PROGRAMMES
- B.A. LL.B. (H) - Integrated
- BBA LL.B. (H) - Integrated
- LL.B. (H) - 3 Years
- LL.M. - 1 Year
APPROVAL & RECOGNITIONS
- Approved by UGC and BCI
- Re-accredited by NAAC with A++ Grade
- Granted with Category-1 Graded Autonomy by UGC
NIRF INDIA RANKINGS 2025
- 10th Best in Law Category
- 15th Best in University Category
INTERNATIONAL RANKINGS 2026
- Ranked in QS World Rankings 2026
- Ranked in Times World Rankings 2026
To apply for admission through SAAT, Please visit: www.soa.ac.in

बच्चे बाहर से उठा लाए थे बैटरी

आग में डालने से फटी मोबाइल की बैटरी, झुलसे मासूम की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर

भाई-बहन के साथ घर के आंगन में खेल रहा मासूम मोबाइल की बैटरी फटने से गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन मासूम को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के समय पिता काम पर गया था जबकि मां पानी लेने गई थी। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

जानकारी के अनुसार प्रेमनगर थाना अंतर्गत ग्राम ब्रम्हपुर निवासी चालक महेंद्र सिंह नेताम हर रोज की भांति 31 मई की सुबह गाड़ी चलाने गया था। घर में पत्नी कलेसिया के अलावा पांच बच्चे थे। शाम को सभी बच्चे घर के आंगन में खेल रहे थे, वहीं मां कलेसिया ▶▶| शेष पेज 6 पर

घर में नहीं है एक भी मोबाइल

मृतक मासूम के पिता महेन्द्र सिंह नेताम ने बताया कि घर में न तो उसके पास और न ही उसकी पत्नी के पास मोबाइल है। पत्नी की दिमागी हालत ठीक नहीं है जिससे घर में कोई भी मोबाइल का उपयोग नहीं करते है। ऐसे में बच्चे बाहर फेंके गए मोबाइल की बैटरी को उठाकर घर लेकर आ गए थे। ▶▶| शेष पेज 6 पर

सरकार ने बदले आव्रजन नियम

विदेशियों को वीजा खत्म होने से 'पहले' कराना होगा पंजीयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

गृह मंत्रालय ने भारत में विदेशी नागरिकों की निगरानी और आव्रजन प्रक्रिया को ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए आव्रजन और विदेशी नियम, 2025 में कई बदलाव किए हैं। नए नियम के तहत अब अगर कोई विदेशी नागरिक 180 दिन से ज्यादा भारत में रुकने का इरादा रखता है, तो उसे 180 दिन की तय सीमा पूरी होने से पहले ही अपना रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। पहले की तरह 180 दिन बीत जाने के बाद ऐसा नहीं किया जा सकेगा।

14 दिनों की समय सीमा घटाई

सबसे बड़ा बदलाव ये हुआ है कि पहले नियम था कि 180 दिन की वीजा अवधि खत्म होने के 14 दिनों के भीतर पंजीकरण कराना अनिवार्य था लेकिन अब उसे समाप्त कर दिया गया है। अब विदेशी नागरिक अगर अपनी निर्धारित वीजा अवधि से ज्यादा रुकना चाहते हैं, तो उन्हें आधिकारिक पंजीयन अनिवार्य रूप से कराना होगा। कुछ विशेष परिस्थितियों में ही देरी से पंजीयन की अनुमति दी जाएगी।

देश का चौथा जेम्स एंड ज्वेलरी पार्क बनेगा रायपुर में, अंतिम चरण में टेंडर प्रक्रिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में जेम्स एवं ज्वेलरी उद्योग को नई पहचान देने की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुंबई, सूरत और कोलकाता के बाद यह देश का चौथा जेम एंड ज्वेलरी पार्क होगा। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग की पहल पर राजधानी रायपुर के पंडरी क्षेत्र में लगभग 9.616 एकड़ भूमि पर अत्याधुनिक जेम्स एवं ज्वेलरी पार्क विकसित किया जाएगा। पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर बनने वाली इस परियोजना को मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली पीपीपी एप्रेजल कमेटी से मंजूरी मिल चुकी है।

30 वर्ष की लीज अवधि (नवीनीकरण सहित कुल 90 वर्ष) और आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह पार्क प्रदेश में निवेश, रोजगार और उद्योग विकास के नए अवसर सृजित करेगा। प्रस्तावित जेम्स एवं ज्वेलरी पार्क को केवल सराफा कारोबार का केंद्र ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के पहले 'वेडिंग डेस्टिनेशन मॉल' के रूप में भी विकसित किया जाएगा। परियोजना के तहत लगभग 3.5 लाख वर्गफुट क्षेत्र विशेष रूप से जेम्स एवं ज्वेलरी व्यापारियों, थोक विक्रेताओं, आयातकों-निर्यातकों और वर्कशॉप उपयोगकर्ताओं के लिए आरक्षित रहेगा। चतुर्थ तल पर सम्मेलन, व्यापार बैठक एवं प्रदर्शनी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। यहां आधुनिक दुकानें, थोक कार्यालय, सुरक्षित वर्कशॉप, सम्मेलन एवं प्रदर्शनी सुविधाओं के साथ केंद्रीयकृत सुरक्षा और अत्याधुनिक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। परियोजना में बीआईएस एवं हॉलमार्किंग केंद्र, सामान्य सुविधा केंद्र, बैंकिंग सुविधा, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास संस्थान तथा स्वास्थ्य केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे।

'वेडिंग डेस्टिनेशन मॉल' का भी विकास

वहीं, शेष उपलब्ध एफएआर क्षेत्र में डेवलपर को वाणिज्यिक और मनोरंजन गतिविधियों के विकास की स्वतंत्रता दी गई है। इसके तहत परिधान, फूल-सज्जा, फोटोग्राफी, विवाह आयोजन और अन्य विवाह-संबंधित कारोबारों के लिए स्थान विकसित किए जाएंगे, जिससे यह परिसर एक समेकित 'वेडिंग डेस्टिनेशन मॉल' के रूप में उभर सकेगा।

रोजगार के नए अवसर मिलेंगे

इस परियोजना राज्य में व्यापार, निवेश और रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। साथ-साथ रायपुर को जेम्स एवं ज्वेलरी कारोबार के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करेगी। पार्क की स्थापना से रायपुर एवं आसपास के राज्यों के ग्राहकों को विश्वस्तरीय जेम्स एवं ज्वेलरी खरीदारी का अनुभव प्राप्त होगा। स्थानीय कारीगरों, उद्यमियों एवं व्यापारियों के लिए रोजगार के नये अवसर सृजित होंगे।

पीपीपी एप्रेजल कमेटी से मंजूरी, डेवलपर तय होने के बाद बनेगी ड्राइंग डिजाइन

सराफा उद्योग के लिए ऐतिहासिक- राजीव अग्रवाल

सीएसआईडीसी के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल ने बताया कि 2015 से यह परियोजना अटकी हुई थी। छत्तीसगढ़ के सराफा उद्योग के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। कौशल विकास, बीआईएस प्रमाणन एवं हॉलमार्किंग सुविधाओं के माध्यम से उत्पाद की गुणवत्ता एवं उपभोक्ता विश्वास में वृद्धि होगी। पीपीसी मोड पर विकास के कारण राज्य शासन पर न्यूनतम वित्तीय भार पड़ेगा।

टेंडर की प्रक्रिया जारी

सीएसआईडीसी द्वारा आरपीएफ 24 अप्रैल को जारी किया गया। बोलियाँ 15 मई तक प्राप्त की गईं। उसी दिन तकनीकी बोलियाँ विधिवत खोली गईं। वर्तमान में बोली मूल्यांकन समिति द्वारा प्राप्त बोलियों का तकनीकी एवं वित्तीय मूल्यांकन प्रक्रिया प्रगति पर है। जो बोलीदाता तकनीकी चरण में अर्ह पाये जाएंगे उन्हें वित्तीय बोली खोले जाने की तिथि से सूचित किया जाएगा। निविदा प्रक्रिया में बोली का आधार जेम एंड ज्वेलरी पार्क के लिए अधिकतम लीज प्रीमियम होगा। शीघ्र ही सफल बोलीदाता का चयन कर परियोजना कार्यान्वयन के लिए करार किया जाएगा।

मिवान स्टील प्लांट में लगी भीषण आग, ढाई घंटे की मशक्कत के बाद बुझी, कोई हताहत नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के कई प्लांट में एक के बाद एक आगजनी की घटनाएं हो रही हैं। ऐसी ही घटना मंगलवार को राजधानी रायपुर के मंदिर हसौद स्थित मिवान स्टील लिमिटेड प्लांट में घटी। सुबह करीब साढ़े 5 बजे इस प्लांट में आग इतनी भीषण लगी कि इसे बुझाने में दमकल विभाग कर्मियों को लगभग ढाई घंटे मशक्कत करनी पड़ी। आग लगने का कारण टरवाइन-3 में पाइप लाइन में तेल लीकेज आना बताया गया है। आग इतनी तेजी से फैली कि उसकी लपटें और धुंआ कई किलोमीटर दूर से भी लोगों को दिखाई देने लगा, जिसका विडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल किया गया है। इस आगजनी के दौरान कोई जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन प्लांट को लाखों रुपए की क्षति जरूर पहुंची है। हालांकि कंपनी की ओर से क्षति के आकलन की जानकारी पुलिस को नहीं दी गई है।

आग बुझाने के बाद पुलिस को सूचना मिली

मंदिर हसौद थाना प्रभारी ने बताया कि क्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित मिवान स्टील प्लांट में सुबह करीब 5.30 बजे आग लगी थी। आग लगने की सूचना पुलिस को लगभग 9 बजे प्लांट प्रबंधक की ओर से दी गई। सूचना पर पुलिस जब मौके पर पहुंची, तो आग पर काबू पा लिया गया था तथा वहां की स्थिति सामान्य हो चुकी थी। पूछताछ पर पता चला कि आग प्लांट के टरवाइन-3 में तेल पाइप लाइन में लीकेज आने के कारण लगी। इस पाइप लाइन के पास ही स्टीम लाइन भी है। लीकेज आते ही तेल स्टीम लाइन के संपर्क में आ गया, जिससे आग लगते ही विकराल रूप ले लिया। इस आग को बुझाने के लिए दमकल विभाग की गाड़ियां को बुलाया गया था। थाना प्रभारी ने बताया कि प्लांट प्रबंधक द्वारा यह कहा जा रहा है कि एक दमकल गाड़ी की मदद से आग पर एक घंटे के अंदर काबू पा लिया गया था, जबकि आगजनी का सोशल मीडिया में वायरल हुए विडियो को देखकर इस पर यकीन नहीं हो रहा है। आग इतनी भीषण लगी थी कि इसे बुझाने में दमकल विभाग की कम से कम 3 से 4 गाड़ियां एवं ढाई से तीन घंटे का समय लगा होगा।

घटना के समय ड्यूटी पर नहीं थे कर्मचारी

थाना प्रभारी ने बताया कि प्लांट प्रबंधक ने उन्हें जानकारी दी है कि घटना के समय जहां आग लगी, वहां काम नहीं चल रहा था। सुबह का शिफ्ट शुरू होता, उससे पहले ही आग लग गई, जिससे जान-मान का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

एक माह पहले कोरबा के एक कोल प्लांट में लगी थी आग

प्लांट में आग लगने का यह पहला मामला नहीं है। एक माह पूर्व इसी प्रकार कोरबा जिले में मारुति क्लीन कोल बांधाखार पावर प्लांट में इसी प्रकार भीषण आग लगी थी। आग लगने का कारण ट्रांसफार्मर में हुए शॉट सर्किट से धमाका होना बताया गया था। इस घटना से बड़ा नुकसान हुआ था। यहां भी आग पर काबू पाने दमकल कर्मियों को कई घंटे लगे थे।

आमासिवनी स्थित प्लास्टिक फैक्ट्री में हुई थी आगजनी

राजधानी रायपुर के विधानसभा रोड आमासिवनी इलाके में स्थित एक प्लास्टिक फैक्ट्री के गोदाम में भीषण आग लगी थी। यह आग भी घटना के समय पॉलिथीन के निर्माण स्थल पर शॉर्ट सर्किट के कारण विस्फोट से भड़की थी, जिस पर काबू पाने के लिए दमकल की कई गाड़ियों को लगाना पड़ा था। उल्लेखनीय है कि प्लांट और फैक्ट्रियों में आग लगने की ऐसी प्रदेश में कई घटनाएं हो चुकी हैं। ज्यादातर घटनाओं में ट्रांसफार्मर में शॉट सर्किट ही कारण सामने आए हैं। कुछेक जगहों पर ही अन्य किसी कारण से आग लगने की पुष्टि हुई है। इस तरह की घटनाएं होने के बाद भी प्लांट प्रबंधक, कंपनियों द्वारा इसे रोकने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

दो ट्रकों में आमने-सामने भिड़ंत से लगी आग एक ड्राइवर जला, दूसरे ने कूदकर बचाई जान

रायगढ़। कोयला लोड दो ट्रकों में मंगलवार की रात करीब साढ़े 8 बजे आमने सामने भिड़ंत हो गई। इस हादसे में एक ड्राइवर की गाड़ी के भीतर ही जल कर मौत हो गई। वहीं दूसरे ट्रक के ड्राइवर ने किसी तरह कूद कर अपनी जान बचा ली। मृत ड्राइवर की पहचान नहीं हो पाई है। दूसरे ओर जानकारी के बाद मौके पर पहुंची तमनार पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद मुश्किल से आग पर काबू पाया। यह घटना तमनार के ग्राम झिंकाबहाल के पास घटित हुई है। जानकारी मिली है कि दोनों ट्रक में कोयला लोड था और किसी प्लांट में ख़ाली करने जा रहे थे। जैसे ही झिंकाबहाल गांव के पास ट्रक पहुंची आमने सामने भिड़ंत हो गई।

तमनार थाना के झीकाबहाल गांव के पास की घटना

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि काफी तेज आवाज के साथ आग लग गई। एक ड्राइवर की तो मौके पर ही मौत हो गई, लेकिन दूसरा कूदकर जान बचाने के बाद मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश तमनार पुलिस कर रही है। दोनों गाड़ी कहां से कोयला लोड करके कहां जा रही है इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस फरार ड्राइवर की तलाश कर रही है। उसके मिलने के बाद कुछ जानकारी मिल सकती है।

अप्रैल की खपत पर जून के बिल में लगेगा करीब साढ़े 9 फीसदी शुल्क

गर्मी में खपत की आफत के साथ ही एफपीपीएएस शुल्क भी बढ़ने का झटका

रायपुर। प्रदेशभर के 65 लाख बिजली उपभोक्ताओं की खपत गर्मी में आफत जैसी है। गर्मी में खपत में भारी इजाफा हो गया है। ऐसे में भारी भरकम बिल आ रहा है। इसी के साथ इस बार जून में जो मई का बिल आएगा, उसमें अप्रैल की खपत पर एफपीपीएएस शुल्क करीब साढ़े 9 फीसदी लिया जाएगा, तो ऐसे में डबल झटका लग जाएगा। बीते माह एफपीपीएएस शुल्क चार फीसदी से कम था, लेकिन इस बार यह डबल से भी ज्यादा हो गया है। इस माह नया टैरिफ भी जारी होने वाला है, तो अगले माह से महंगी बिजली का एक और झटका भी लगेगा। बिजली में हर माह अब एफपीपीएएस शुल्क तय होने के कारण हर माह बिजली के दाम बदल जाते हैं। इस साल के पहले माह जनवरी में जो दिसंबर का बिल आया था। उसमें 13.64 फीसदी एफपीपीएएस शुल्क लिया गया। इसमें जहां 5.43 फीसदी पुराना शुल्क था, वहीं दिसंबर का 8.21 फीसदी शुल्क शामिल था। दिसंबर में एफपीपीएएस शुल्क 16.42 फीसदी तय हुआ था। इसमें से आधा दिसंबर के बिल के साथ लिया गया। इसके बाद बचा आधा 8.21 %शुल्क जनवरी के बिल में लिया गया। फरवरी में जब जनवरी का बिल आया तो उसमें पुराना 8.21 % शुल्क और जनवरी का नया शुल्क 4.14 % भी लिया गया। ऐसे में इस माह भी डबल झटका लगा था। लेकिन मार्च में जब फरवरी का बिल आया तो इसमें एफपीपीएएस शुल्क 5.91 % लगा। अप्रैल में मार्च का बिल आया तो इसमें एफपीपीएएस शुल्क और कम होकर 4.24 % लगा। मई में जब अप्रैल का बिल आया था इसमें 3.98 फीसदी एफपीपीएएस शुल्क लगा था। अब जून में जब मई का बिल आएगा तो इसमें करीब साढ़े 9 % के आस-पास शुल्क लगेगा।

हाईकोर्ट से जिंदल स्टील को मिली राहत 153 करोड़ की रिकवरी पर लगाई रोक

बिलासपुर। जिंदल स्टील लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई करते हुए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने 153.55 करोड़ रुपये के रिकवरी नोटिस पर रोक लगा दी है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने कहा, किसी भी पक्ष को सुने बिना उस पर वित्तीय दायित्व नहीं थोपा जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया, प्रारंभिक स्तर पर सुनवाई का अवसर न देना पूरी निर्णय प्रक्रिया को दूषित कर देता है। कोर्ट ने इस मामले में पूर्व में पारित सिंगल बेंच के आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग को दो महीने के भीतर जिंदल स्टील को सुनवाई का अवसर देने और नए सिरे से निर्णय लेने के निर्देश दिया है।

प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों को सर्वोपरि बताते हुए हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने जिंदल स्टील लिमिटेड को बड़ी राहत दी है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बिभु दत्त गुरु की खंडपीठ ने 153.55 करोड़ रुपये के रिकवरी नोटिस को निरस्त करते हुए कहा है कि किसी भी पक्ष को सुने बिना उस पर वित्तीय दायित्व नहीं थोपा जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया, प्रारंभिक स्तर पर सुनवाई का अवसर न देना पूरी निर्णय प्रक्रिया को दूषित कर देता है। कोर्ट ने इस मामले में पूर्व में पारित सिंगल बेंच के आदेश को भी पलट दिया और छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग को दो माह के भीतर जिंदल स्टील को सुनवाई का पूरा अवसर देकर नए सिरे से निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं।

यह है मामला

मामला वित्तीय वर्ष 2011-12 और 2012-13 में जिंदल स्टील द्वारा पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) के तहत बिजली आपूर्ति से जुड़ा है। उस समय निर्धारित दरों पर भुगतान हो चुका था। बाद में वर्ष 2014 में टैरिफ और ट्रू-अप प्रक्रिया के दौरान नियामक आयोग ने बिजली को 'नॉन-फर्म पावर' मानते हुए दर घटाकर 1.50 रुपये प्रति यूनिट निर्धारित कर दी। इसके आधार पर छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने जिंदल स्टील को 153.55 करोड़ रुपये लौटाने का नोटिस जारी कर दिया और कंपनी का ओपन एक्सेस एनओसी भी रोक दिया था। सुनवाई के दौरान जिंदल स्टील ने तर्क दिया, टैरिफ निर्धारण और अपीलीय न्यायाधिकरण की कार्रवाई में उसे पक्षकार ही नहीं बनाया गया। बिना सुनवाई इतनी बड़ी देनदारी थोपना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन है। आयोग और वितरण कंपनी ने दलील देते हुए कहा, टैरिफ निर्धारण प्रक्रिया अर्ध-विधायी प्रकृति की होती है और इसमें सार्वजनिक सूचना पर्याप्त होती है।

जिंदल की याचिका स्वीकार

हाईकोर्ट ने जिंदल स्टील की दलीलों को स्वीकार करते हुए कहा, जब किसी निर्णय का प्रत्यक्ष वित्तीय प्रभाव किसी विशेष इकाई पर पड़ता है, तब प्रक्रिया अर्ध-न्यायिक स्वरूप ग्रहण कर लेती है और ऐसे मामलों में व्यक्तिगत सुनवाई अनिवार्य हो जाती है। डिवीजन बेंच ने माना, कैप्टिव पावर प्लांटों से मिलने वाली बिजली की आपूर्ति में उतार-चढ़ाव होना स्वाभाविक है और इसे अपने आप में अनुबंध उल्लंघन नहीं माना जा सकता। मामले की सुनवाई के बाद डिवीजन बेंच ने 7 जुलाई 2016 के रिकवरी नोटिस और ओपन एक्सेस रोकने से जुड़े पत्रों को रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा है, जब तक आयोग नए सिरे से निर्णय नहीं लेता, तब तक जिंदल स्टील के विरुद्ध किसी प्रकार की वसूली या दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

परिवार के एक सदस्य के नौकरी में होने मात्र से अनुकंपा नियुक्ति से इंकार नहीं किया जा सकता

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि केवल इस आधार पर अनुकंपा नियुक्ति से इनकार नहीं किया जा सकता कि मृत कर्मचारी के परिवार का कोई अन्य सदस्य सरकारी नौकरी में है। अदालत ने कहा कि संबंधित प्राधिकरण को पहले परिवार की वास्तविक आर्थिक स्थिति और वित्तीय संकट का आंकलन करना होगा।

खास खबर

कोर्ट ने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति योजना का उद्देश्य मृत कर्मचारी के परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान करना है। इसलिए केवल तकनीकी आधारों पर दावे खारिज करना योजना की मानवीय भावना के विपरीत होगा। इन टिप्पणियों के साथ हाईकोर्ट ने नगर निगम की अपील खारिज कर दी और एकल पीठ के आदेश को बरकरार रखा है। मामले में याचिकाकर्ता के पिता अंबिकापुर नगर निगम में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत थे। सेवा के दौरान उनके निधन के बाद परिवार में पत्नी, तीन पुत्र और एक पुत्री रह गए, जो उनकी आय पर निर्भर थे। याचिकाकर्ता ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया, लेकिन यह कहते हुए आवेदन खारिज कर दिया गया कि उसकी मां पहले से सफाई कर्मचारी के रूप में कार्यरत हैं। इसके खिलाफ याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट का रुख किया। एकल पीठ ने नियुक्ति से इनकार करने का आदेश रद्द करते हुए नगर निगम को अनुकंपा नियुक्ति देने का निर्देश दिया।

यह एक कल्याणकारी और मानवीय योजना- सुनवाई के बाद खंडपीठ ने कहा कि परिवार ने अपना मुख्य कमाने वाला सदस्य खो दिया था और केवल मां के नौकरी में होने को अनुकंपा नियुक्ति से इनकार करने का पूर्ण आधार नहीं माना जा सकता। अदालत ने कहा कि कम वेतन वाली नौकरी करने वाला कोई सदस्य होने मात्र से यह नहीं माना जा सकता कि परिवार आर्थिक संकट से उबर चुका है। अदालत ने स्पष्ट किया कि अनुकंपा नियुक्ति कोई अधिकार नहीं है, लेकिन यह एक कल्याणकारी और मानवीय योजना है, जिसका उद्देश्य आर्थिक संकट में फंसे परिवारों को राहत पहुंचाना है। इसलिए अधिकारियों को दावों पर विचार करते समय व्यावहारिक और उद्देश्यपूर्ण दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

सिंगल बेंच ने दिया था पक्ष में फैसला

इस आदेश को चुनौती देते हुए नगर निगम आयुक्त ने खंडपीठ के समक्ष अपील दायर की। सुनवाई के दौरान निगम ने तर्क दिया कि 14 जून 2013 की राज्य नीति के अनुसार यदि परिवार का कोई सदस्य पहले से सरकारी सेवा में है तो अनुकंपा नियुक्ति नहीं दी जा सकती। वहीं याचिकाकर्ता ने कहा कि उसकी मां का वेतन बेहद कम है और परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। साथ ही अधिकारियों ने परिवार की वास्तविक आर्थिक स्थिति का आंकलन किए बिना आवेदन खारिज कर दिया।

नदियों के प्रदूषण पर सख्ती, कोर्ट कमिश्नर करेंगे फैक्ट्रियों की जांच

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने नदियों और पर्यावरण प्रदूषण को लेकर सख्ती दिखाई है। डिवीजन बेंच ने शराब बनाने वाली फैक्ट्रियों की जांच कर 30 दिनों में रिपोर्ट देने कहा है। सुनवाई के दौरान शासन ने दावा किया है कि, अधिकारियों ने मौके पर जाकर जांच की है। जिसमें शिवनाथ और खारून नदी में ऑक्सीजन का स्तर सामान्य मिला है। इस मामले में राज्य शासन और पर्यावरण प्रदूषण मंडल से जवाब मांगा था। सुनवाई के दौरान छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के सचिव और फैक्ट्रियों की तरफ से शपथ पत्र दिया गया है। जिसमें पर्यावरण मंडल ने दावा किया कि अधिकारियों ने मौके पर जाकर जांच की है। जांच में शिवनाथ और खारून नदी में ऑक्सीजन का स्तर सामान्य मिला है। वहीं भाटिया डिस्टिलरीज ने प्रकाशित रिपोर्ट को आधारहीन बताते हुए दावा किया कि उनका प्लांट जीरो लिक्विड डिस्चार्ज पर काम करता है। बाहर कोई केमिकल युक्त पानी नहीं बहाया गया। पर्यावरण मंडल ने कोर्ट को बताया कि, नियमों का लगातार उल्लंघन करने पर वेलकम डिस्टिलरीज को पहले बंद करने का आदेश दिया गया था। 54.60 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया था। हाल ही में हुई जांच में भी वहां ऑनलाइन प्रदूषण मॉनिटरिंग सिस्टम बंद मिला और हवा में प्रदूषण की मात्रा तय मानकों से अधिक पाई गई।

अब कोर्ट कमिश्नर करेंगे जांच: इसके बाद हाईकोर्ट ने शपथ पत्र में दी गई जानकारी की हकीकत जानने के लिए एडवोकेट वैभव शुक्ला और अपूर्व त्रिपाठी को कोर्ट कमिश्नर नियुक्त किया है। दोनों पर्यावरण मंडल के अफसरों के साथ मिलकर तीनों डिस्टिलरी यूनिट्स का संयुक्त निरीक्षण करेंगे। डिस्टिलरी प्रबंधनों को निर्देश दिया गया है कि वे जांच में पूरा सहयोग करें। कोर्ट कमिश्नर को 30 दिनों के भीतर अपनी सीलबंद संयुक्त रिपोर्ट सौंपनी होगी।

रिटायरमेंट के करीब कर्मचारियों को सुरक्षा देने वाली पॉलिसी तब लागू नहीं होती, जब सेवा का 1 साल से ज़्यादा समय बचा हो

हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि रिटायरमेंट के करीब कर्मचारियों को सुरक्षा देने वाली पॉलिसी तब लागू नहीं होती, जब सेवा का 1 साल से ज़्यादा समय बचा हो। याचिका के मुताबिक अपीलकर्ता जनकपुर में वन उप-मंडल अधिकारी के तौर पर काम कर रहा था। उसे साल 2026 में रिटायर होना था। जून 2025 में उसका ट्रांसफर ज़िला संघ में उप-प्रबंध निदेशक के पद पर कर दिया गया। उसकी जगह पर एक दूसरे अधिकारी का ट्रांसफर कर दिया गया। इससे नाराज़ होकर अपीलकर्ता ने हाईकोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया। इसमें कहा गया कि ट्रांसफर का आदेश सिर्फ़ दूसरे अधिकारी को उसके गृह ज़िले में जगह देने के लिए जारी किया गया था। याचिका में कहा गया कि वह सिर्फ़ 4 जुलाई 2025 से 3 अगस्त 2025 तक मंज़ूर मेडिकल छुट्टी पर था। इसके बाद 4 अगस्त 2025 को उसने अपनी ड्यूटी फिर से शुरू की। अपनी पोस्टिंग की जगह पर लगातार काम किया और उसे कभी भी निर्धारित विभागीय प्रारूप के अनुसार कानूनी तौर पर कार्यमुक्त नहीं किया गया। कहा गया कि दूसरा अधिकारी उसी ज़िले का रहने वाला था, और उसके गृह ज़िले में उसकी पोस्टिंग 'सामान्य पुस्तक परिपत्र' का साफ़ उल्लंघन थी, जो किसी कर्मचारी के उसके गृह ज़िले में ट्रांसफर पर रोक लगाता है। अपीलकर्ता ने यह भी कहा कि समिति की सिफ़ारिश पूरी तरह से प्रशासनिक और न्यायसंगत बातों पर आधारित थी। इसके अलावा, उसकी रिटायरमेंट की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी थी। ऐसे चरण में बीच में किया गया ट्रांसफर उसके रिटायरमेंट से जुड़े फ़ायदों को गंभीर रूप से प्रभावित करेगा।

सरकंडा में चोरी, आरोपी की जमानत खारिज

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सरकंडा थाना क्षेत्र में सूने मकान में हुई चोरी के मामले में आरोपी आशीष बांडे की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस बिभु दत्त गुरु की एकलपीठ ने कहा कि आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं और जांच में मिले साक्ष्य उसके खिलाफ प्रथमदृष्टया गंभीर संलिप्तता दर्शाते हैं। मामले के अनुसार, 24 मई 2024 को सरकंडा निवासी शिकायतकर्ता भिलाई से लौटे तो घर का ताला टूटा मिला।

घर से सफेद रंग की ज्यूपिटर स्कूटी, 20 हजार रुपए नकद, मिक्सर ग्राइंडर और गैस सिलेंडर चोरी हो चुके थे। पुलिस ने अपराध क्रमांक 576/2024 दर्ज कर जांच शुरू की। बाद में एक अन्य मामले की जांच के दौरान आरोपी आशीष बांडे के कब्जे से चोरी की स्कूटी बरामद हुई, जिसके बाद उसे 8 जनवरी 2026 को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। आरोपी की ओर से अधिवक्ता त्रिवेणी शंकर साहू ने तर्क दिया कि स्वतंत्र गवाह अपने बयान से मुकर चुके हैं और आरोपी को झूठा फंसाया गया है। वहीं राज्य शासन की ओर से उप शासकीय अधिवक्ता अनीश तिवारी ने कहा कि गवाहों के मुकरने मात्र से अपराध कम नहीं हो जाता, क्योंकि पुलिस ने मजबूत साक्ष्य जुटाए हैं। हाईकोर्ट ने केस डायरी और आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड का अवलोकन करते हुए बीएनएसएस की धारा 483 के तहत दायर जमानत याचिका खारिज कर दी।

बिलासपुर
बुधवार 3 जून 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष तृतीया
वर्ष : 26, अंक : 73
10+6 =16 मूल्य : 4.00***

मौसम
अधि. 40.0
न्यून. 28.0

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

7 आकिब ने टीम इंडिया में मारी एंट्री

विचार पेज
2 बदलते भारत-नेपाल संबंधों की कहानी

राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम....पिछड़ा रायपुर जिला, मुंगेली कोरिया समेत 9 जिलों ने पछाड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम को जमीन स्तर पर लागू करने में रायपुर जिला पिछड़ गया है। योजनाओं के बेहतर क्रियान्यवन के मामले में मुंगेली, कोरिया समेत नौ जिले रायपुर से आगे निकल गए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा पिछले दिनों जारी स्वास्थ्य सूचकांक में रायपुर जिले को परफार्मर के रूप में जांजगीर के बाद दूसरा स्थान मिला है। पर्याप्त संसाधन होने के बाद भी इन योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने में बेहतर मानिटरिंग की कमी को कारण माना गया है।

खास खबर

शासन द्वारा प्रदेश में संचालित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति को बढ़ाने के उद्देश्य से कुछ प्रमुख सूचकांकों को मुख्यमंत्री अटल मॉनिटरिंग पोर्टल में शामिल किया गया है। साथ ही भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) अंतर्गत संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा के लिए आउटपुट इंडिकेटर्स निर्धारित किए गए हैं। इन दोनों प्रमुख सूचकांकों को आधार बनाकर जिलों का स्वास्थ्य स्कोर कार्ड तैयार किया गया। पचास बिंदुओं पर आधारित स्कोर कार्ड के अनुसार जिलों को विभिन्न श्रेणियों-ग्रीन, ऑरेंज, येलो और रेड में वर्गीकृत किया गया जिसमें रायपुर जिले को परफार्मर के रूप में आरेंज श्रेणी में दूसरे स्थान पर रहकर संतोष करना पड़ा है। जानकारों का कहना है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम को लागू ▶▶|शेष पेज 6 पर

स्वास्थ्य सूचकांक में परफार्मर के रूप में मिला दूसरा स्थान, जांजगीर भी आगे

दुर्ग, बिलासपुर की हालत और दयनीय

इस स्कोर कार्ड में दुर्ग, बिलासपुर जैसे बड़े जिलों की हालत और भी दयनीय है। संसाधन संपन्न होने के बाद भी ये जिले राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन और मैदानी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को आम जनता तक पहुंचाने में बुरी तरह पिछड़े हुए है। इसके अलावा स्लो मूवर के लाल रंग के जोन में सरगुजा, सुकमा, कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, नारायणपुर, एमएमसी और सक्ती शामिल है।

ऐसे किया गया वर्गीकरण

ग्रीन जोन 'एचीवर' वाले जिले- कोरबा, कोरिया, जशपुर, रायगढ़, बलरामपुर, कोंडागांव, धमतरी, मुंगेली
आरेंज जोन 'परफार्मर' वाले जिले- जांजगीर, रायपुर, सूरजपुर, एमसीबी, राजनांदगांव, बस्तर, महासमुंद, बीजापुर
यलो जोन 'एसीप्रियेट' वाले जिले- गरियाबंद, कांकेर, बलौदाबाजार, दंतेवाड़ा, सारंगढ़-बिलाईगढ़, जीपीएम, बालोद

चार दिन की देरी से केरल में कल दस्तक दे रहा मानूसन, छग समेत 15 राज्यों में आंधी-बारिश!

केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून चार जून के आसपास दस्तक दे सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मंगलवार को यह पूर्वानुमान जताया। केरल में मानसून आम तौर पर एक जून के आसपास पहुंच जाता है, जिसे दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम (जून-सितंबर) की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इधर, आईएमडी ने देश के 15 राज्यों में आंधी, तूफान और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दक्षिण-पश्चिम एवं दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कुछ और हिस्सों, लक्षद्वीप तथा केरल और तमिलनाडु के कुछ भागों में चार जून के आसपास दक्षिण-पश्चिम मानसून के और आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। आईएमडी ने अपने दैनिक पूर्वानुमान में कहा, मानसून दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-मध्य, पूर्व-मध्य और उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों तथा दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के बाकी भागों में भी इसी तारीख के आसपास आगे बढ़ेगा। आईएमडी ने पहले अनुमान जताया था कि केरल में मानसून की दस्तक 26 मई के आसपास होगी। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। बाद में विभाग ने 29 मई को कहा कि मानसून अगले हफ्ते पहुंच सकता है। पिछले हफ्ते विभाग ने अपने संशोधित पूर्वानुमान में कहा कि इस बार मानसूनी बारिश सामान्य से कम रहेगी। आईएमडी ने कहा कि भारत में इस साल दीर्घकालिक औसत (एलपीए) की 90 फीसदी बारिश होने की संभावना है। एलपीए से आशय किसी विशेष क्षेत्र में एक निश्चित अवधि (जैसे कि एक महीने या एक मौसम) के दौरान दर्ज की गई बारिश से है, जिसका औसत आमतौर पर 30 से 50 वर्षों की लंबी अवधि के आधार पर निकाला जाता है।

- भारत मौसम विज्ञान विभाग ने फिर जारी किया पूर्वानुमान

मध्यप्रदेश और राजस्थान में आंधी-बारिश से 5 मौतें

इधर, मध्य प्रदेश और राजस्थान में आंधी-बारिश से 5 लोगों की मौत हो गई। मप्र के नीमच में सोमवार रात मकान की छत ढहने से मां-बेटे की मौत हो गई। वहीं, राजस्थान के जैसलमेर और बाड़मेर में दीवार ढहने से दो बच्चों सहित 3 लोगों की जान चली गई।

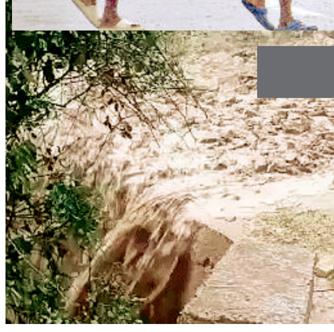

जम्मू में दो जगहों पर फटा बादल

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में मंगलवार को दो जगह बादल फटे है। पहला बादल सरथल के गहन इलाके में और दूसरा माछीपाल क्षेत्र में फटा है। कुछ इलाकों में लैंडस्लाइड से सड़कें बंद हो गईं है। अधिकारियों के मुताबिक, फिलहाल किसी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। पुलिस, रेड क्रॉस, राजस्व विभाग और अन्य एजेंसियों की टीमें मौके पर भेजी गई हैं। सांसद और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि स्थानीय लोगों से लगातार संपर्क किया जा रहा है, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत मदद पहुंचाई जा सके।

देश के 70 से 80 फीसदी हिस्से में प्री-मानसून गतिविधियां

मौसम विभाग के अनुसार देश के करीब 70 से 80 फीसदी हिस्से में किसी न किसी रूप में प्री-मानसून गतिविधियां सक्रिय हैं। इसके पीछे कई मौसमी सिस्टम एक साथ काम कर रहे हैं। उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी, दक्षिण-पूर्वी अरब सागर, उत्तर-पूर्वी राजस्थान, मध्य पाकिस्तान और दक्षिण गंगा के मैदानी इलाकों के ऊपर साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय हैं। यही कारण है कि उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक मौसम का एक विशाल नेटवर्क बन गया है।

इन राज्यों में आज आंधी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग के मुताबिक देश के 15 राज्यों यूपी, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, केरल और तमिलनाडु में भारी बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलेगी। इसके अलावा पूर्वी राज्यों के लोगों को आंधी और बिजली गिरने से सावधान रहने की जरूरत है।

लूट का विरोध करने पर व्यापारी की गोली मारकर हत्या, हथियार-आभूषण बरामद

पुलिस को मिली बड़ी सफलता, अन्य आरोपियों की तलाश जारी

- कोटमीकला सर्राफा व्यापारी हत्याकांड का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर/पेंड्रा

जिले के कोटमीकला साप्ताहिक बाजार में सर्राफा व्यापारी प्रदीप सोनी की गोली मारकर हत्या करने और लूट की सनसनीखेज वारदात के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, लूटे गए आभूषण तथा तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। वहीं घटना में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

हरिभूमि फॉलोअप

पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 26 मई 2026 को कोटमीकला साप्ताहिक हाट बाजार में सर्राफा व्यापारी प्रदीप सोनी से लूटपाट के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीमों का गठन कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान प्राप्त तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिरों से मिली सूचना और संदिग्धों से पूछताछ के आधार पर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली।पूछताछ में मुख्य आरोपी खुशीराम साहू ने अपने भतीजे राजाराम साहू तथा बिहार-झारखंड के परिचित राहुल और उसके साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपियों ने साप्ताहिक बाजारों में सोना-चांदी व्यापारियों की गतिविधियों की जानकारी जुटाकर लूट की योजना बनाई थी। पुलिस ने ▶▶|शेष पेज 6 पर

छीनाझपटी के दौरान चलाई गोली

जांच में सामने आया कि आरोपी 23 मई को ही क्षेत्र में पहुंच गए थे और वारदात की तैयारी कर रहे थे। 26 मई की शाम करीब सात बजे उन्होंने प्रदीप सोनी से सोना-चांदी से भरा बैग लूटने का प्रयास किया। व्यापारी द्वारा विरोध किए जाने पर आरोपियों ने छीना-झपटी के दौरान अवैध हथियार से गोली चला दी, जिससे प्रदीप सोनी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

लूट के बाद जेवरों का किया बंटवारा

घटना के बाद आरोपी सोना-चांदी से भरा बैग लेकर फरार हो गए। बाद में देवरीखुर्द क्षेत्र में लूटे गए आभूषणों का आपस में बंटवारा किया गया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर देवरी क्षेत्र से घटना में प्रयुक्त देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और लूटे गए आभूषणों का हिस्सा बरामद किया है। आरोपियों ने आभूषणों की पैकिंग सामग्री जलाकर साक्ष्य मिटाने का प्रयास भी किया था।

शूटरों की तलाश जारी

मुख्य आरोपी विकलांग खुशीराम साहू ने जिला व पड़ोसी जिले के सप्ताहिक बाजार में सराफा व्यापारी की रैकी करने के बाद बिहार, झारखंड से शूटरों को बुलाकर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। तकनीकी साक्ष्य के माध्यम से पुलिस टीम शूटरों की तलाश में लगी हुई है।

भतीजे ने जेवर छिपाने में किया सहयोग

आरोपी राजा राम साहू मुख्य आरोपी खुशीराम साहू का भतीजा है। हत्याकांड व लूट की वारदात को अंजाम देने के बाद खुशीराम साहू सीपत लौटा तब उसने अपने भतीजे का सहयोग लेकर लूट के जेवर को सीपत क्षेत्र में जमीन में गड्डा खोदकर गड़ाकर छिपाने में सहयोग किया था।

अब मुख्यधारा में लौटकर जी रहे सम्मान की जिंदगी : साय

- समर्पित नक्सली दंपति मासा तामो और जयमोती चला रहे दुकान
- मुख्यमंत्री ने पानी की बोतल खरीदकर बढ़ाया हौसला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

सुशासन तिहार में जिले में पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का काफिला सुदूर वनांचल के ग्राम कोण्डापल्ली में एक छोटी-सी किराना दुकान के सामने मंगलवार को रुक गए। बाहर से देखने पर यह एक सामान्य दुकान थी, लेकिन उसके भीतर संघर्ष, साहस और बदलाव की एक असाधारण कहानी छिपी थी। यह दुकान आत्मसमर्पित दंपति मासा तामो और जयमोती की थी। मुख्यमंत्री दुकान के भीतर पहुंचे, दोनों से आत्मीयता से बातचीत की और उनके जीवन में आए बदलाव के बारे में जानकारी ली। इस दौरान सीएम साय दुकान से पानी की बोतल ▶▶|शेष पेज 6 पर

पुनर्वास केंद्र बना नई जिंदगी का आधार

बीजापुर पुनर्वास केंद्र पहुंचने के बाद दोनों के जीवन में नया अध्याय शुरू हुआ। पहली बार उन्हें अक्षर ज्ञान मिला, कौशल विकास का प्रशिक्षण मिला और शासन की विभिन्न योजनाओं से जोड़ा गया। राशन कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, बैंक खाता और अन्य आवश्यक दस्तावेज बनवाए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग की सक्षम योजना के तहत जयमोती को एक लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। इसी सहायता से कोण्डापल्ली में उनकी छोटी-सी किराना दुकान शुरू हुई।

वेदांता ग्रुप ने कहा- हम जांच में कर रहे सहयोग

वेदांता ग्रुप पर ताबड़तोड़ रेड कई ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा संबंधी कथित 'उल्लंघन' को लेकर अरबपति कारोबारी अनिल अग्रवाल के वेदांता ग्रुप के खिलाफ जांच के तहत उसके आधिकारिक परिसरों में छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि वैश्विक खनन समूह के खिलाफ छापेमारी सोमवार को शुरू की गई और दिल्ली, मुंबई एवं राजस्थान के उदयपुर स्थित परिसरों सहित वेदांता लिमिटेड के चार परिसरों की तलाशी ली गई। जांच विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के दीवानी प्रावधानों के तहत की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय कंपनी वेदांता लिमिटेड की लंदन स्थित मूल कंपनी वेदांता रिसोर्सेज द्वारा 2023 में वेदांता लिमिटेड को ब्रांड शुल्क का एक हिस्सा लौटाए जाने का एक मामला संघीय जांच एजेंसी की जांच के दायरे में है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

पहले भी जांच के दायरे में आ चुका है वेदांता ग्रुप

बता दें कि वेदांता ग्रुप पहले भी साल 2004 में यह समूह पहले भी विदेशी मुद्रा मामलों में नियामक जांच के दायरे में आ चुका है। 2004 में, प्रवर्तन निदेशालय ने स्टरलाइट इंडस्ट्रीज और उसके तीन प्रमोटर निदेशकों को एफईआरए और फेमा के नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया था और कंपनी तथा उसके निदेशकों पर जुर्माना लगाया था।

इधर, बाजार में गिरा वेदांता का शेयर

ईडी की इस अचानक कार्रवाई का असर शेयर बाजार में कंपनी के स्टॉक पर भी देखने को मिला। दोपहर करीब 11:45 बजे वेदांता लिमिटेड का शेयर 0.7% की गिरावट के साथ 334.6 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। आपको बता दें कि वेदांता लिमिटेड भारतीय शेयर बाजार में लिस्टेड एक बड़ी कंपनी है, जिसकी मार्केट कैपिटलाइजेशन (मार्केट कैप) लगभग 1.3 लाख करोड़ रुपए है।

चिंतन

सरकार को परीक्षा तंत्र मजबूत करना ही होगा

देश के जेन जेड पर अपराधियों की बुरी नजर है। ये अपराधी येन-केन प्रकारेण युवाओं को भड़काना चाहते हैं। सीबीएसई, सीयूईटी-यूजी और नीट-यूजी जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में गड़बड़ी हुई है। इसमें सरकार को भी क्लीन चिट नहीं दी जा सकती, क्योंकि वह भी इन परीक्षाओं को लेकर पूरी तैयारी से बुरी तरह चूकी है। कुछ एथिकल हैकर्स ने कमियों को उजागर भी किया है। इसके बाद सतर्क सरकार ने सभी परीक्षाओं के लिए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था बनाने की तैयारी भी शुरू कर दी है। करोड़ों छात्र-छात्राएं हर वर्ष विभिन्न बोर्ड, प्रवेश और भर्ती परीक्षाओं के माध्यम से अपने भविष्य की दिशा तय करते हैं। ऐसे में परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता केवल शैक्षणिक विषय नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता और राष्ट्रीय विकास का भी प्रश्न है। हाल के वर्षों में कई महत्वपूर्ण परीक्षाओं को लेकर सामने आई गड़बड़ियों, पेपर लीक, तकनीकी बाधाओं और साइबर हमलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि देश के परीक्षा तंत्र को और अधिक सुरक्षित, पारदर्शी तथा तकनीकी रूप से और अधिक सक्षम बनाने की जरूरत है। सीबीएसई में 12वीं के री-इवैल्यूएशन (पुनर्मूल्यांकन) को लेकर सीबीएसई का पोर्टल सोमवार को शुरू नहीं हो पाया। कड़ी मशक्कत के बाद आईआईटी दिल्ली और कानपुर के साइबर एक्सपर्ट ने पूरे दिन मेहनत कर पोर्टल को मंगलवार को शुरू किया। काफी हैरानी की बात है कि पोर्टल के चालू होते ही इस पर 2 मिनट में ही 15 लाख एक्सेस अटेंप्ट हुए, जबकि 1 लाख से ज्यादा बार सिस्टम की फाइलों तक बिना अनुमति पहुंचने की कोशिश की गई। इस तरह के प्रयास बताते हैं कि कुछ बाहरी शक्तियां सीबीएसई के पोर्टल को चलने ही नहीं देना चाहती थी। यानी ये शक्तियां किसी भी तरह से जेन जेड को व्यवस्था के प्रति भड़काना चाहती हैं, ताकि युवा सरकार के खिलाफ सड़क पर उतर जाएं और मोर्चा खोल दें। हाल ही में कथित तौर पर अमेरिका में बने एक इंटाग्राम ग्रुप के इरादे भी जग जाहिर हो चुके हैं। केंद्र सरकार द्वारा सीबीएसई में प्रशासनिक स्तर पर किए गए बदलाव और ओएसएम प्रक्रिया की जांच के लिए समिति का गठन जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम माना जा सकता है, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि परीक्षा प्रणाली की संपूर्ण समीक्षा की जाए और तकनीकी, प्रशासनिक तथा कानूनी स्तर पर व्यापक सुधार लागू किए जाएं। सबसे पहले, सभी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय परीक्षा संस्थाओं के लिए एक मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचा तैयार किया जाना चाहिए। नियमित सुरक्षा ऑडिट, एथिकल हैकिंग परीक्षण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निगरानी और डेटा सुरक्षा के आधुनिक उपाय अनिवार्य किए जाने चाहिए। दूसरा, परीक्षा संचालन से जुड़े प्रत्येक चरण में पारदर्शिता बढ़ाई जानी चाहिए, ताकि किसी भी विवाद की स्थिति में तथ्य तुरंत सार्वजनिक किए जा सकें। तीसरा, पेपर लीक, साइबर हमले और परीक्षा में गड़बड़ी फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। सरकार को गड़बड़ियों को हर हाल में रोकना होगा और परीक्षा तंत्र को मजबूत करना ही होगा, ताकि साल भर मेहनत कर रहे होनहारों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं हो। सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि ऐसा कोई मौका अपराधियों को न दें, जिससे परीक्षाओं की शुचिता पर सवाल उठे और सालभर मेहनत करने वाले युवाओं का सिस्टम से भरोसा उठे, इसलिए सरकार को पूरे परीक्षा तंत्र को मजबूत बनाना ही होगा।

विश्लेषण
राजेश जैन

बदलते भारत-नेपाल संबंधों की कहानी

भारत और नेपाल का रिश्ता सबसे अनोखा, जटिल और सबसे भावनात्मक रिश्तों में से एक माना जाता है। दुनिया में बहुत कम ऐसे पड़ोसी देश हैं, जिनके बीच सीमाएं भी खुली हों और समाज भी इतने गहरे स्तर पर जुड़े हों। भारत-नेपाल संबंधों की आधुनिक संरचना काफी हद तक 1950 की भारत-नेपाल शांति और मैत्री संधि पर आधारित है। इस संधि का उद्देश्य दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग, व्यापार और नागरिक आवाजाही को आसान बनाना था। भारत अपनी सुरक्षा चिंताओं को नजरअंदाज नहीं कर सकता। चीन इस पूरे समीकरण में अपनी जगह मजबूत करना चाहता है। ऐसे में दोनों देशों को संवाद और विश्वास आधारित संबंधों की नई संरचना विकसित करनी होगी।

दक्षिण एशिया की राजनीति में भारत और नेपाल का रिश्ता सबसे अनोखा, जटिल और सबसे भावनात्मक रिश्तों में से एक माना जाता है। दुनिया में बहुत कम ऐसे पड़ोसी देश हैं, जिनके बीच सीमाएं भी खुली हों और समाज भी इतने गहरे स्तर पर जुड़े हों। भारत और नेपाल का संबंध केवल दो सरकारों का संबंध नहीं है; यह सदियों से साझा संस्कृति, धर्म, भाषा, व्यापार, परंपराओं और मानवीय रिश्तों का जीवंत उदाहरण रहा है, लेकिन यही रिश्ता समय-समय पर अविश्वास, राष्ट्रवाद, सीमा विवाद और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की वजह से तनावपूर्ण भी हो जाता है। हाल के दिनों में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के एक बयान ने फिर यही सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर भारत-नेपाल संबंध बार-बार सीमा विवाद और राजनीतिक असहजता के मोड़ पर क्यों पहुंच जाते हैं। बालेन शाह ने नेपाली संसद में कहा कि सिर्फ भारत ने ही नेपाली भूमि पर अतिक्रमण नहीं किया, बल्कि नेपाल ने भी कुछ भारतीय इलाकों पर कब्जा कर रखा है। इस बयान के बाद नेपाल की संसद में हंगामा मच गया। विपक्ष ने उनसे सबूत मांगे, विदेश मंत्रालय को सफाई जारी करनी पड़ी और सोशल मीडिया पर तीखी बहस शुरू हो गई। पहली नजर में यह एक सामान्य राजनीतिक बयान लग सकता है, लेकिन वास्तव में यह उस गहरे बदलाव का संकेत है जो पिछले कुछ वर्षों में भारत-नेपाल संबंधों में दिखाई दे रहा है। यह केवल सीमा विवाद का मामला नहीं है। इसके पीछे राष्ट्रवाद, भू-राजनीति, चीन की बढ़ती भूमिका, नेपाल की नई राजनीतिक सोच और भारत की पारंपरिक पड़ोसी नीति से जुड़ी कई परतें मौजूद हैं। भारत और नेपाल का रिश्ता आधुनिक सीमाओं से कहीं पुराना है। नेपाल के लाखों नागरिक भारत में शिक्षा प्राप्त करते हैं, रोजगार करते हैं और व्यापार से जुड़े हैं। भारतीय शहरों में नेपाली समुदाय सहज रूप से घुला-मिला दिखाई देता है।

भारत की सेना में गोरखा रेजिमेंट का गौरवपूर्ण इतिहास दोनों देशों के भरोसे और साझेदारी का प्रतीक रहा है। खुली सीमा ने इस रिश्ते को और विशेष बनाया है। दुनिया के अधिकांश देशों के विपरीत भारत और नेपाल के नागरिक बिना वीजा और पासपोर्ट के एक-दूसरे के यहां आ-जा सकते हैं। यही वजह है कि भारत-नेपाल संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक संबंध भी हैं। राजनीतिक तनाव पैदा हो सकते हैं, लेकिन जनता के स्तर पर अपनापन अक्सर बना रहता है। भारत-नेपाल संबंधों की आधुनिक संरचना काफी हद तक 1950 की भारत-नेपाल शांति और मैत्री संधि पर आधारित है। इस संधि का उद्देश्य दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग, व्यापार और नागरिक आवाजाही को आसान बनाना था। उस समय चीन में कम्युनिस्ट क्रांति और हिमालयी क्षेत्र की बदलती भू-राजनीति को देखते हुए भारत नेपाल को अपनी सुरक्षा नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा मानता था। इस संधि ने नेपाल को भारत के साथ विशेष आर्थिक और सुरक्षा संबंध दिए। व्यापार, निवेश और रोजगार के अवसर बढ़े। लेकिन समय के साथ नेपाल में यह धारणा मजबूत होने लगी कि यह संधि बराबरी के आधार पर नहीं बनी थी। नेपाल के कई राजनीतिक दल और बुद्धिजीवी इसे "असमान संधि" बताते रहे हैं। भारत इस संधि को सुरक्षा और रणनीतिक

सहयोग के लिए महत्वपूर्ण मानता है, जबकि नेपाल इसे अपनी संप्रभुता और स्वतंत्र विदेश नीति से जोड़कर देखता है। यही कारण है कि संधि की पुनर्समीक्षा की मांग समय-समय पर उठती रहती है। भारत और नेपाल के बीच सबसे संवेदनशील मुद्दा सीमा विवाद का है। कालापानी, लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और सुस्ता जैसे क्षेत्रों को लेकर दोनों देशों के दावे अलग-अलग हैं। यह विवाद 2020 में सबसे ज्यादा उभरा, जब भारत ने नया राजनीतिक नक्शा जारी किया। इसके जवाब में नेपाल ने संविधान संशोधन कर नया नक्शा पारित किया, जिसमें कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया। नेपाल में इसे राष्ट्रीय अस्मिता का मुद्दा बना दिया गया। सड़कों पर प्रदर्शन हुए और भारत विरोधी भावना तेज हो गई। भारत इन क्षेत्रों को अपनी रणनीतिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण मानता है क्योंकि ये चीन सीमा के बेहद करीब स्थित हैं। बालेन शाह का हालिया बयान भी इसी राजनीतिक वातावरण की उपज माना जा रहा है। उन्होंने ब्रिटेन की संभावित भूमिका का जिक्र कर नया विवाद खड़ा कर दिया। भारत हमेशा सीमा विवादों को द्विपक्षीय तरीके से सुलझाने की नीति पर कायम रहा है, इसलिए नेपाल की ओर से तीसरे पक्ष का संकेत नई दिल्ली के लिए असहज करने वाला था। भारत-नेपाल संबंधों को अब चीन के बिना समझना संभव नहीं है। पिछले एक दशक में चीन ने नेपाल में तेजी से अपना प्रभाव बढ़ाया है। सड़क, रेल, हाइड्रोपावर और इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में चीन का निवेश लगातार बढ़ रहा है। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत नेपाल को चीन एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार के रूप में देखता है। वह चीन के साथ आर्थिक और राजनीतिक संबंध बढ़ाकर भारत के प्रभाव को संतुलित करने की कोशिश कर रहा है। नेपाल की राजनीति में भी चीन की भूमिका पहले से कहीं अधिक सक्रिय दिखाई देती है। भारत के लिए यह स्थिति चिंता का विषय है। नई दिल्ली हमेशा नेपाल को अपनी उत्तरी सुरक्षा नीति का अहम हिस्सा मानती रही है। खुली सीमा और हिमालयी भूगोल के कारण भारत नहीं चाहता कि कोई बाहरी शक्ति नेपाल में अत्यधिक प्रभाव स्थापित करे। भारत-नेपाल संबंधों में 2015 का वर्ष एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जाता है। नेपाल ने नया संविधान लागू किया, जिसका मधेशी समुदाय ने विरोध किया। मधेश आंदोलन के दौरान भारत-नेपाल सीमा पर आपूर्ति बाधित हो गई। नेपाल में यह धारणा बनी कि भारत ने "अनौपचारिक नाकेबंदी" की है।

हालांकि भारत ने हमेशा कहा कि यह समस्या सीमा पर चल रहे आंदोलन की वजह से थी, लेकिन नेपाल में भारत विरोधी भावना तेजी से बढ़ी। दूसरी ओर सुरक्षा चुनौतियां भी कम नहीं हैं। खुली सीमा अवसर भी देती है और जोखिम भी पैदा करती है। नकली मुद्रा, तस्करी, मानव तस्करी और आतंकवादी गतिविधियों के लिए सीमा के दुरुपयोग की आशंका बनी रहती है। दोनों देशों के बीच खुफिया सहयोग और सुरक्षा समन्वय लंबे समय से चलता रहा है, लेकिन राजनीतिक अविश्वास कई बार इस सहयोग को प्रभावित करता है। दोनों को यह समझना होगा कि 21वीं सदी की राजनीति केवल ऐतिहासिक निकटता के भरोसे नहीं चल सकती। नेपाल बराबरी और सम्मान चाहता है। भारत अपनी सुरक्षा चिंताओं को नजरअंदाज नहीं कर सकता। चीन इस पूरे समीकरण में अपनी जगह मजबूत करना चाहता है। ऐसे में दोनों देशों को संवाद और विश्वास आधारित संबंधों की नई संरचना विकसित करनी होगी। 1950 की संधि की पुनर्समीक्षा पर खुली बातचीत हो सकती है। सीमा विवादों के समाधान के लिए स्थायी तंत्र बनाया जा सकता है। शिक्षा, डिजिटल तकनीक, ऊर्जा और युवा सहयोग को नई प्राथमिकता दी जा सकती है।

(लेखक प्रसिद्ध लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

विश्व साइकिल दिवस

डॉ. मोनिका शर्मा

पर्यावरण-स्वास्थ्य संकट के दौर में बढ़ा साइकिल का महत्व

आज विश्व साइकिल दिवस है। हर वर्ष 3 जून को मनाया जाने वाला यह खास दिन साइकिल के उपयोग को बढ़ावा देने वाली जन-जागरूकता लाने से जुड़ा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2018 में पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने के साइकिल के इस्तेमाल को रेखांकित करने हेतु यह घोषित किया गया था। वहीं 2022 में टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने के लिए साइकिलों को सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था के एक अभिन्न अंग के तौर पर शामिल किया गया। तकलीफदेह है कि इन्सानों और पर्यावरण, दोनों स्वस्थ रखने वाली साइकिल, सुविधाजनक जीवनशैली की चाह में आम जीवन से दूर हो गई है। जबकि परिवहन के इस सरल, किफायती और स्वच्छ साधन से दूर होना प्रकृति और इंसानी मन-जीवन दोनों पर भारी पड़ रहा है। यही वजह है कि यह दिन वैश्विक स्तर पर लोगों को दैनिक यात्रा में प्रदूषण घटाने और सक्रिय जीवन शैली के लिए साइकिल का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है। विचारणीय है कि आज देश और दुनिया में छाये ऊर्जा संकट के बीच साइकिल की सवारी बेहद अहम हो गई है। इतना ही नहीं, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों में सुधार करने वाली साइकिल बढ़ती व्याधियों के चलते भी उपयोगी हो चली है। साथ ही पर्यावरण के मोर्चे पर दमघोटू होती हवा, ट्रैफिक जाम और पर्यावरण असंतुलन से तापमान और ठंड में असहनीय बढ़ोतरी को देखते हुए साइकिल सवासरी की ओर फिर लौटना आवश्यक है। ध्यातव्य है कि विश्व साइकिल दिवस 2026 का विषय भी 'हरियाली भरे भविष्य के लिए साइकिल चलाना' है। यह विषय पर्यावरण संरक्षण, कार्बन उत्सर्जन को कम करने और सतत परिवहन को बढ़ावा देने में साइकिल की भूमिका पर केंद्रित है। लाजिमी भी है क्योंकि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी जीवन का जोखिम बनने वाली समस्याओं का व्यावहारिक समाधान साइकिल का उपयोग करना ही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा भी स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए लाभकारी साइकिल चलाने को महत्वपूर्ण माना जाता है। डब्लूएचओ शारीरिक गतिविधि बढ़ाने, कैंसर और मधुमेह जैसी गैर-संचारी बीमारियों को कम करने और वायु- ध्वनि प्रदूषण घटाने के लिए साइकिल के उपयोग बढ़ावा देता है। साइकिलिंग को शिक्षा, ऊर्जा, रोजगार, शहरों और असमानताओं सहित कई सतत विकास लक्ष्यों की उपलब्धि के सूत्रधार के रूप में मान्यता भी देता है। असल में स्वास्थ्य से जुड़ी चिंतनीय स्थितियों के बीच साइकिल का उपयोग बहुत मददगार साबित हो सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा हाल ही में जारी किए सर्वेक्षण के अनुसार भारत में मोटापे से ग्रस्त आबादी के आंकड़े बढ़ रहे हैं।वर्ष 2023-24 में 30.7 प्रतिशत महिलाएं और 27.3 प्रतिशत पुरुष मोटापे से ग्रस्त पाए गए हैं।सर्वेक्षण में सामने आया है कि वयस्कों में शरीर का वजन ही नहीं, ब्लड शुगर भी बढ़ रहा है। समझना कठिन नहीं शारीरिक निष्क्रियता इसका अहम कारण है।

परंपरागत जीवनशैली वाले भारतीय समाज में साइकिल बच्चों की प्यारी और पसंदीदा सवारी रही है। बदलती जीवनशैली के चलते बच्चे भी इससे दूर हुए हैं। इसी के चलते कम उम्र में ही मोटापा घेर रहा है। इस मामले में वर्ल्ड ओबेसिटी एटलस-2026 की रिपोर्ट भी चेताने वाली है। रिपोर्ट में बच्चों में मोटापे के मामले में भारत चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। स्वास्थ्य से जुड़ी गंभीर चुनौती बना मोटापा बच्चों में डायबिटीज, हृदय रोग और दूसरी जानलेवा व्याधियों का जोखिम बढ़ा रहा है। विचारणीय हैं कि ऊर्जा संकट से निपटने के लिए भी नागरिकों को साइकिल की सवारी को प्राथमिकता देनी चाहिए। साइकिल का उपयोग ऊर्जा संकट का तो सबसे प्रभावी हल है। यह सीधे-सीधे पेट्रोल, डीजल और बिजली पर निर्भरता को कम करता है, जिससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आती है। पैदल चलने और साइकिल चलाने जैसी गतिविधियां संयुक्त रूप से 2034 तक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को लगभग 37 प्रतिशत तक कम करने की क्षमता रखती है। ऐसे में साइकिल का इस्तेमाल वायु गुणवत्ता में सुधार, पर्यावरण संरक्षण और आथिक बेहतरी से भी जुड़ा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़ों के अनुसार, देश के लगभग 55 प्रतिशत भारतीय घरों में साइकिल मौजूद होने के बावजूद इसके इस्तेमाल के प्रति उदासीनता का भाव है। आवश्यक है कि यह दिन साइकिल रेलियों, दिवस विशेष से जुड़े आयोजनों और जन-जागरूकता अभियानों तक ही ना सिमटे। आर्थिक, सामाजिक, स्वास्थ्य और प्रकृति की बेहतरी से जुड़ी साइकिल की सवारी को आम जीवन में जगह दें ।

(लेखिका स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मंदिर जैसे उपासना स्थल क्यों बनाए जाते हैं?

संकलित
दर्शन

जब ईश्वर का वास हृदय में माना गया है, तो मंदिर जैसे उपासना स्थल क्यों बनाए जाते हैं? मंदिरों की स्थापना के पीछे उद्देश्य था कि पूजा, अर्चना और यज्ञ आदि द्वारा पवित्र तन्मात्रओं यानी पंचभूतों के सूक्ष्म रूप की सृष्टि की जाए। किसी साधु हृदय व्यक्ति को पूजा का कार्यभार सौंपा जाए। स्थान का मन पर अदृश्य प्रभाव पड़ता है। चिकित्सालय में व्यक्ति को हर तरफ रोग और रोगी ही दिखते हैं। स्वस्थ व्यक्ति भी वहां अशक्त महसूस करने लगता है। हमारे शरीर से प्रतिदिन शुभ या अशुभ अदृश्य सूक्ष्म शक्ति-राशि का उत्सर्जन होता रहता है। मंदिर जाने वाला व्यक्ति काम, क्रोध और आलस्य बाहर छोड़कर ईश्वर के प्रति भक्तिभाव से जाता है। यह सामूहिक भक्ति या उपासना शुभ तन्मात्रओं व तरंगों का सृजन करती है। अतः यहां आगमन दुर्बल मन वाले मनुष्यों में ऊर्जा का संचार करता है। सज्जनों से ही प्रार्थना स्थलों की पवित्रता बनी रहती है। यदि मंदिर में असाधु व्यक्तियों का आवागमन बढ़ जाए तो स्थान अपनी पवित्रता खोने लगता है। पवित्र श्रवण मास में शिवलिंग पर दुग्ध, बेलपत्र, फल-फूल आदि चढ़ाकर पुण्य अर्जित करने की होड़ लगी रहती है। यदि ईश्वर है और वह हमारी प्रार्थना से प्रसन्न होता है तो वह एक बेलपत्र, अंजुली भर दूध या एक पुष्प से भी प्रसन्न हो जाएगा। सावन के महीने से इतर भी ये दृश्य आमतौर पर मंदिरों में आम होते हैं। यदि यह व्यवस्था सुचारु न हो तो अव्यवस्था स्वाभाविक है। इसी कारण कई मंदिरों में व्यक्तिगत रूप से भोग-अर्पण की मनाही है।

संस्कार क्या है?

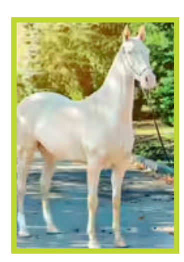

संकलित
प्रेरणा

एक राजा के पास सुन्दर घोड़ी थी। कई बार युद्ध में इस घोड़ी ने राजा के प्राण बचाये और घोड़ी राजा के लिए पूरी वफादार थी। कुछ दिनों के बाद इस घोड़ी ने एक बच्चे को जन्म दिया, बच्चा काना पैदा हुआ, पर शरीर हष्ट पुष्ट व सुडौल था। बच्चा बड़ा हुआ, बच्चे ने माँ से पूछा- मां मैं बहुत बलवान हूं, पर काना हूँ, यह कैसे हो गया? इस पर घोड़ी बोली- बेटा जब में गर्भवती थी, तू पेट में था तब राजा ने मेरे ऊपर सवारी करते समय मुझे एक कोड़ा मार दिया, जिसके कारण तू काना हो गया। यह बात सुनकर बच्चे को राजा पर गुस्सा आया और मां से बोला- मां मैं इसका बदला लूंगा। मां ने कहा राजा ने हमारा पालन-पोषण किया है, तू जो स्वस्थ है, सुन्दर है, उसी के पोषण से तो है, यदि राजा को एक बार गुस्सा आ गया तो इसका अर्थ यह नहीं है कि हम उसे क्षति पहुंचाए, पर उस बच्चे के समझ में कुछ नहीं आया, उसने मन ही मन राजा से बदला लेने की सोच ली। एक दिन यह मौका घोड़े को मिल गया राजा उसे युद्ध पर ले गया। युद्ध लड़ते-लड़ते राजा एक जगह घायल हो गया, घोड़ा उसे तुरन्त उठाकर वापस महल ले आया। इस पर घोड़े को ताज्जुब हुआ और माँ से पूछा- मां आज राजा से बदला लेने का अच्छा मौका था, पर युद्ध के मैदान में बदला लेने का ख्याल ही नहीं आया और न ही ले पाया, मन ने गवारा नहीं किया। इस पर घोडी हंस कर बोली- बेटा तेरे खून में और तेरे संस्कार में धोखा है ही नहीं, तू जानकर तो धोखा दे ही नहीं सकता है। तुझ से नमक हरामी हो नहीं सकती, क्योंकि तेरी नस्ल में तेरी मां का ही तो अंश है।

अंतर्मन

आज की पाती

टीबी अब लाइलाज बीमारी नहीं

एक समय था जब टीबी यानी क्षय रोग का नाम सुनते ही मरीज और उसके परिवार में डर का माहौल बन जाता था। लोगों को लगता था कि यह बीमारी जीवन भर पीछा नहीं छोड़ेगी और इसका इलाज संभव नहीं है। जानकारी की कमी और स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव के कारण अनेक मरीज समय पर उपचार नहीं ले पाते थे। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में चिकित्सा विज्ञान ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज टीबी का प्रभावी इलाज उपलब्ध है और लाखों मरीज पूरी तरह स्वस्थ होकर सामान्य जीवन जी रहे हैं। यही कारण है कि अब टीबी को लाइलाज बीमारी नहीं माना जाता, बल्कि समय पर पहचान और नियमित उपचार से इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। - *कांतिलाल मांडोत, सूरत*

ट्रेंड

'वंदे भारत' ट्रेन

आत्मनिर्भर और सशक्त भारत का प्रतीक बन चुकी स्वदेशी 'वंदे भारत' ट्रेन, जो सुरक्षित और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है, देश के विकास की एक जीवंत तस्वीर पेश करती है।

-**जगत प्रकाश नड्डा**, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

अग्निवीर योजना

केंद्र सरकार द्वारा भारतीय सेना में अग्निवीर योजना लागू किए जाने से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सीमित हो गए हैं। अग्निवीर योजना के कारण कई युवाओं के सपने और आकांक्षाएं आहत हुई हैं, जिससे उनमें निराशा का माहौल पैदा हो गया है।

-**सुखविंदर सिंह सुक्खू**, सीएम, हिमाचल प्रदेश

कानून-व्यवस्था का पतन

पश्चिमी उत्तर प्रदेश से एशियाई खेलों के लिए चयनित पैरा एथलीट चिराग त्यागी की हत्या, राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी अनुष्का पाल की हत्या, सूर्य चौहान और एक दूध व्यापारी की हत्या उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था के पतन का प्रतीक है।

-**अखिलेश यादव**, सांसद, सपा

झारखंड शराब घोटाला

झारखंड शराब घोटाला महज भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि सत्ता में बैठे लोगों के संरक्षण में चलाया जा रहा एक संगठित आर्थिक अपराध है। शराब माफियाओं और सत्ता में बैठे लोगों के करीबी लोगों की मिलीभगत से जनता की कमाई को खुलेआम लूटा गया।

-**बाबूलाल मरांडी**, पूर्व सीएम, झारखंड

करंट अफेयर

अफगान में महिला शिक्षाविदों का भविष्य अंधकारमय

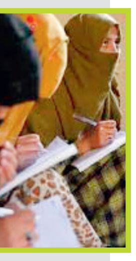

कल्पना कीजिए कि आपने अपना करियर बनाने में दशकों लगा दिए हैं। आपके पास मास्टर डिग्री है। आपने सैकड़ों विद्यार्थियों को पढ़ाया है। आप हर सुबह उद्देश्य और उत्साह के साथ अपने कार्यस्थल पहुंचती हैं। फिर रातोंरात आपके लिए संस्थान के दरवाजे बंद कर दिए जाते हैं। आपको बता दिया जाता है कि अब आप वापस नहीं आ सकतीं। ऐसा किसी गलती की वजह से नहीं हुआ, बल्कि इसलिए हुआ क्योंकि आप एक महिला हैं। अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद पूरे अफगानिस्तान में महिला शिक्षाविदों के साथ यही हुआ। हमने 12 अफगान महिला शिक्षाविदों से बातचीत की। इनमें से आठ उस समय अफगानिस्तान में थीं, जबकि चार हाल ही में देश छोड़ चुकी थीं। जो महिलाएं अफगानिस्तान में थीं, उनमें से केवल एक ही बाद में देश छोड़ने में सफल हुई। बाकी सभी अब भी वहीं हैं। उन्होंने जो कुछ हमें बताया, वह बेहद पीड़ादायक था। जब तालिबान ने 1996 से 2001 के बीच पहली बार अफगानिस्तान पर शासन किया था, तब महिलाओं को शिक्षा और कई प्रकार के रोजगार से वंचित कर दिया गया था। अमेरिका के नेतृत्व वाले हस्तक्षेप के बाद स्थिति धीरे-धीरे सुधरी।

ऑफ बीट

लाफिंग गैस के निरंतर उपयोग से मौत संभव

अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन अमेरिकी नागरिकों को मनोरंजन के लिए नाइट्रस ऑक्साइड उत्पादों के लगातार बढ़ते और संभावित रूप से घातक उपयोग के बारे में चेतावनी दे रहा है, विशेष रूप से युवाओं के बीच। नाइट्रस ऑक्साइड को आमतौर पर लाफिंग गैस कहा जाता है। 'गैलेक्सी गैस' और 'मियामी मैजिक' जैसे नामों से बेचे जाने वाले ये उत्पाद सस्ते हैं और गैस स्टेशन, बड़े किराना स्टोर और वॉलमार्ट सहित प्रमुख खुदरा दुकानों पर आसानी से उपलब्ध हैं। इन्हें ऑनलाइन भी बेचा जाता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य मामलों के सहायक प्रोफेसर के रूप में इन उत्पादों का अध्ययन करने के चलते मैं जानता हूं कि ये कितने खतरनाक हो सकते हैं। लाफिंग गैस का मनोरंजन के लिये या अन्य वजहों से निरंतर उपयोग कई प्रकार की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है, और कुछ मामलों में मृत्यु भी हो सकती है। संभावित नुकसान की एक लंबी सूची- लाफिंग गैस के बार-बार इस्तेमाल से होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों की सूची लंबी है। इसमें स्मृति हानि, मतिभ्रम, सिरदर्द, चक्कर आना, चिड़चिड़ापन, रक्त के थक्के, अंगों की कमजोरी, चलने में परेशानी, आंत्र या मूत्राशय की समस्या, रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्या और मस्तिष्क क्षति शामिल हैं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

दोस्ती में दरार : नाराज अमेरिकी राष्ट्रपति ने जमकर लगाई फटकार, तुरंत जंग रोकने कहा

लेबनान पर इजराइल के हमले से भड़के ट्रंप ने नेतन्याहू से कहा- तुम पागल हो

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

लेबनान पर इजरायल के बढ़ते हमलों को लेकर डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को फोन कॉल कर जमकर फटकार लगाई। उन्होंने नेतन्याहू को 'पागल' तक कह दिया। यह सब तब हुआ जब ईरान ने लेबनान पर इजरायल की बढ़ती कार्रवाई को लेकर अमेरिका के साथ शांति समझौते पर बातचीत को छोड़ने की धमकी दी थी। एक्सियोस ने ट्रंप-नेतन्याहू के बीच

हुई इस कॉल की जानकारी रखने वाले दो अमेरिकी अधिकारियों और एक तीसरे सूत्र के हवाले से बताया कि ट्रंप ने कॉल पर नेतन्याहू को पागल' कहते हुए एहसान फरामोशी का आरोप लगाया। कॉल के बारे में जानकारी रखने वाले एक अन्य सूत्र ने बताया कि ट्रंप 'बहुत गुस्से में' थे और एक समय नेतन्याहू पर चिल्लाते हुए बोले, 'तुम ये क्या कर रहे हो?' ट्रंप ने कहा, 'अगर मैं न होता तो तुम जेल में होते। मैं तुम्हारी जान बचा रहा हूं। अब हर कोई तुमसे नफरत करता है। इस वजह से हर कोई इजरायल से नफरत करता है।' उन्होंने आगे बेरूत पर हमले की इजरायल की योजना पर भी रोक लगा दी।

इजरायल-हिज्बुल्लाह नहीं करेंगे एक-दूसरे पर हमला

इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर पोस्ट कर लिखा,'इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ मेरी बातचीत हुई और कोई भी ट्रूप्स बेरूत नहीं जाएंगे और जो भी ट्रूप्स रास्ते में हैं, उन्हें पहले ही वापस भेज दिया गया है। इसी तरह उच्च पद वाले प्रतिनिधियों के जरिए मेरी हिज्बुल्लाह के साथ भी बहुत अच्छी बातचीत हुई और वे इस बात पर सहमत हुए कि सारी गोलीबारी बंद हो जाएगी कि इजरायल उन पर हमला नहीं करेगा और वे इजरायल पर हमला नहीं करेंगे।'

ईरान ने मीडिएटर के जरिए मैसेज शेयरिंग भी रोकी

ईरान की अर्ध-सरकारी न्यूज एजेंसी तस्नीम ने कहा कि तेहरान की बातचीत करने वाली टीम लेबनान पर हमलों की वजह से अमेरिका के साथ मीडिएटर के जरिए मैसेज का लेन-देन रोक रही है। ईरान ने इजरायल के लेबनान पर जारी हमलों की वजह से यूएस के साथ जारी पीस डील में मध्यस्थों के साथ सभी तरह की बातचीत को रोक दिया था। ईरान की तसनीम समाचार एजेंसी ने बताया, 'लेबनान में इजरायल के हमलों और लेबनान सीजफायर की पूर्व शर्तों में सहित सभी मोर्चों पर सीजफायर का उल्लंघन हो रहा है।

अध्यक्ष नितिन नवीन को सौंपा 5 पेज का इस्तीफा

दक्षिण में भाजपा को झटका अन्नामलाई ने छोड़ा साथ

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

तमिलनाडु के पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष से मंगलवार को मुलाकात की और उन्हें 5 पेज का इस्तीफा सौंपा। ये मुलाकातें अन्नामलाई के राजनीतिक भविष्य को लेकर चल रही अटकलों के बीच हो रही हैं। खबरों के मुताबिक, पूर्व आईपीएस अधिकारी एक नई राजनीतिक पार्टी शुरू करने की योजना बना रहे हैं, जिसका दृष्टिकोण उनके सहयोगियों के अनुसार धर्मनिरपेक्ष और तमिल फर्स्ट है। उन्होंने नितिन नवीन और पार्टी महासचिवत को पांच पेज का इस्तीफा सौंप दिया है। यह घटनाक्रम तमिलनाडु में भाजपा की राजनीतिक रणनीतिक को लेकर अन्नामलाई और भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के बीच महीनों से चल रहे मतभेद के बाद सामने आया है।

विदेश मंत्रालय की नेपाली पीएम को दो टूक

'भारत-नेपाल सीमा विवाद में तीसरे पक्ष की भूमिका नहीं'

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

भारत ने मंगलवार को नेपाल के साथ अपने 'सीमा विवाद' को सुलझाने के लिए किसी भी तीसरे पक्ष की भूमिका से साफ़ इंकार कर दिया। कुछ दिन पहले नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने इस विवाद को सुलझाने के लिए चीन और ब्रिटेन को शामिल करने की मांग की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों पक्षों ने सीमा मुद्दे के सभी पहलुओं से निपटने के लिए द्विपक्षीय तंत्र स्थापित किए हैं और भारत-नेपाल सीमा का लगभग 98 प्रतिशत हिस्सा तय हो चुका है।

यह कहा था बालेन ने

रैपर से नेता बने बालेन शाह ने नेपाली संसद में कहा था कि सीमा विवाद पर भारत के साथ चर्चा के अलावा, नेपाल चीन और ब्रिटेन के भी संपर्क में है। उन्होंने कहा, 'चूंकि यह समस्या उस समय से है जब ब्रिटिश भारत ने इस क्षेत्र को छोड़ा था, इसलिए हमारा मानना है कि इस मामले में इंग्लैंड को शामिल किया जाना चाहिए।'

यह है मामला

नेपाल और भारत के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को लेकर पुराना सीमा विवाद रहा है। भारत ने लगातार कहा है कि ये इलाके उत्तराखंड का हिस्सा हैं। रणधीर जायसवाल ने अपनी मीडिया ब्रीफिंग में कहा, 'हमने बाउंड्री मामलों के सभी पहलुओं से निपटने के लिए बाइलेटरल सिस्टम बनाए हैं। सभी संबंधित लोगों को यह साफ होना चाहिए कि भारत और नेपाल के बीच बाइलेटरल मामले में किसी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं है।'

कश्मीर पर यूरोपीय यूनियन को भी नसीहत

जम्मू-कश्मीर पर यूरोपीय यूनियन और पाकिस्तान के संयुक्त राष्ट्र को शामिल करने संबंधी साझा बयान पर भारत ने जोरदार पलटवार किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के यूटी भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं। जिन लोगों को ऐसे मामलों में कोई अधिकार नहीं है, उन्हें इन पर कोई भी कमेंट करने से बचना चाहिए।

कोर्ट में ट्विशा के वकील पर भड़की सास गिरिबाला

कहा- बेटे पर किया हमला

एजेंसी ▸▸| भोपाल

ट्विशा शर्मा मामले में कथित आरोपी गिरिबाला सिंह ने मंगलवार को भोपाल की एक अदालत के समक्ष आरोप लगाया कि ट्विशा के वकील ने उनके बेटे के साथ मारपीट की थी। उन्होंने कहा कि दहेज हत्या के मामले में सुनवाई के दौरान जबलपुर कोर्ट में वकील ने उनके बेटे समर्थ सिंह पर हमला किया था। पूर्व न्यायाधीश गिरिबाला सिंह ने यह आरोप सीबीआई द्वारा मामले में समर्थ और गिरिबाला सिंह की पांच दिवसीय हिरासत पूरी होने के बाद कोर्ट के सामने पेश होने के बाद की कार्यवाही के दौरान सामने आया।

ट्विशा के वकील ने किया इंकार

गिरिबाला सिंह ने दावा किया कि जबलपुर कोर्ट में कार्यवाही के दौरान ट्विशा के वकील अनुराग श्रीवास्तव ने समर्थ पर हमला किया था। इस आरोप का जवाब देते हुए अनुराग ने इससे इंकार किया और कहा कोर्ट परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज में इस दावे की पुष्टि की जांच की जा सकती है। उन्होंने समर्थ सिंह को यह बताने की चुनौती भी दी कि वह जबलपुर कोर्ट परिसर के भीतर कथित तौर पर कहां छिपा हुआ था। सुनवाई के दौरान, 'गिरिबाला ने मामले के इर्द-गिर्द चल रहे मीडिया ट्रायल पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कोर्ट से कहा, मीडिया ट्रायल बंद होना चाहिए। हम जहां भी जाते हैं, मीडिया हमारा पीछा करता है, इसे रोकना होगा। हमारी जान खतरे में है।'

सीबीआई के सीन रिक्रिएशन पर उठाए सवाल

गिरिबाला ने सीबीआई द्वारा हाल ही में किए गए क्राइम सीन रिक्रिएशन पर भी चिंता जाहिर की और प्रक्रिया के दौरान अनियमितताओं का आरोप लगाया। गिरिबाला सिंह ने सवाल करते हुए कहा कि उन्हें उनके दरवाजे पर छोड़ने के बजाय तीन घर दूर क्यों छोड़ा गया और मीडिया में इस प्रक्रिया के फुटेज प्रसारित किए जाने पर भी आपत्ति जताई।

पर्यटन
डा.डी.पी.देशमुख

भेड़ाघाट के रूप में प्रसिद्ध रकसगंडा जलप्रपात

रकसगंडा वॉटरफॉल की खासियत इसके आसपास की अद्भुत भू-आकृति है। यहां विभिन्न संरचनाओं में फैले विशाल पत्थरों का समूह देखने लायक है। इन पत्थरों के बीच से बहती रेण नदी की धारा ऐसा प्रतीत कराती है मानो प्रकृति ने खुद इसे अपनी कलाकारी से सजाया हो। ठंड के मौसम में यह स्थान और भी आकर्षक हो जाता है, जब यहां बड़ी संख्या में पर्यटक पिकनिक मनाने और प्रकृति के करीब समय बिताने पहुंचते हैं।

सुरजपुर जिला के रेन नदी या रिहन्द नदी में स्थित बेहद खूबसूरत और प्राकृतिक पर्यटन स्थल है-रकसगंडा जलप्रपात। यह रंग-बिरंगे जलधारा के लिए प्रसिद्ध है इस कारण से इसे सुरजपुर का भेड़ाघाट भी कहा जाता है। यह जलप्रपात सुरजपुर से लगभग 120 कि मी, वाड्रफनगर से 60 कि मी की दूरी पर बलंगी के पास ओड़गी विकासखंड में घने जंगलों के बीच स्थित है जिसे रोमांचक पिकनिक के लिए बेहतरीन स्थल माना जाता है। जलप्रपात तीन पहाड़ियों से घिरा हुआ है, जलधारा लगभग 100 फिट ऊंची चट्टानों से गिरकर नीचे कुंड का निर्माण करता है, यहां से लगभग 100 मीटर लंबी प्राकृतिक सुरंग का मनोरम दृश्य देखने को मिलता है। ऊंची चट्टानों से गिरते हुए पानी के फुहारों से मन रोमांचित हो जाता है। इस क्षेत्र का यह महत्वपूर्ण पिकनिक स्थल है जहां प्रतिवर्ष नए साल के समय अत्यधिक भीड़ होती है।

संस्कृति
टिकेश्वर सिन्हा ' गब्दीवाला '

बर बिहाव म रुखराई

बिहाव बेरा घर म निंगते भार अंगना म छवाय नान नान हरियर डारा के छइहा ले बड़ सुकून मिलथे। इहि मंडप यानि मड़वा आय। ए मंडप चिरई जाम, डुमर या नीम के डारा होथे। एकर छइहा ले ठंडक महसूस होथे। छवाय डारा ले झांकत सुरुजदेव के किरण बड़ आनंददायक लगथे। बीच अंगना म गड़े रथे दू ठन बांस के मड़वा। ए नेगहा मड़वा आय। नेग के बेरा दूल्हा दुल्हिन के माथ म बंधाय मउर छिंद पेड़ के पाना ले बने होथे। दुल्हिन घर पहुंचे बरात ल परघा के लेगे के बाद मड़वा छुववनी नेग म भरवाकाड़ी के उपयोग होथे। मंडप के दूनो ओधा म ओधा के एक एक फुट के दूल्हा दुल्हिन के प्रतीकात्मक पूतरा रखे जाथे, जेला मंगरोहन कहे जाथे। मंडप मे ही दूल्हा दुल्हिन के नेग जोग के बेरा बईठे बर दू ठन नान नान पिल्ली घलो रखे जाथे। ए दूनो जिनिस खासकर डुमर या चिरईजाम के बनाय जाथे। मंडप अउ घर के मुहाटी म आमा पान के तोरन बड़ा सुन्दर लागथे।

लोक साहित्य
उर्मिला शुक्ल

छत्तीसगढ़ी कथा साहित्य अउ सांस्कृतिक अस्मिता

संस्कृति समाज के अस्मिता होथे, ओखर ले समाज के अपन अलग पहिचान होथे। जिंहा तलक छत्तीसगढ़ी संस्कृति अउ समाज के बात हे, त ए संस्कृति अउ समाज एकसरिया नोहय। ऐमा कतको संस्कृति अउ समाज गुथाय हे। एमा एक कोती छत्तीसगढ़ के आदिवासी संस्कृति हे, जेखर अपन अलगे पहचान हे। त दूसर कोती इंहा चातर राज के संस्कृति हे, जिंकर अपन अलगे पहचान है। ऐमा इंद्रावती, गोदावरी, महानदी, पैरी, शिवनाथ., खारून, ईब, हसदेव, जोंक अउ अरपा के धार हे, त बैलाडीला, सिहावा अउ मेकन असन पहार घलो हे। ए छत्तीसगढ़ी संस्कृति कोन्हो आज के उपजे नोहे, ए हर पुरातन काल ले ले के, महाभारत काल ले जूरे संस्कृति आय। संस्कृति कोनो एक ठन जिनिस के नाव नोहय। वोहा मनखे के रग रग म बोहाथे। मनखे के बोली बानी, रीत नित, तिहार बार, गीत गान ए जम्मो मिलके संस्कृति बनाथे अउ वोखर पहिचान बनथे। अउ इही मनखे मन के संस्कृति -साहित्य के आधार बनथे, संस्कृति अउ साहित्य एक दूसर के पूरक बन जाथे।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

पुरातात्विक
ललित शर्मा

सिरपुर में अब केवल व्यापार विहार के अवशेष

छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक धरोहर के स्थल सिरपुर में व्यापार विहार के अवशेष ही मिलते हैं। इस क्षेत्र में प्रवेश करने पर बरगद वृक्ष के दाई ओर बौद्ध विहार के अवशेष मिलते हैं। इसके समीप ही त्रिदेव मंदिर भी उत्खनन में प्राप्त हुआ है। एक ही अधिठान अधिष्ठान पर तीन गर्भगृह होने के कारण इसे त्रिदेव मंदिर कहा जाता है।

उत्खनन में प्राप्त विशाल व्यापार क्षेत्र को ढाई हजार वर्ष पूर्व योजनाबद्ध रूप से बसाने वाले वास्तुकारों के उत्कृष्ट कौशल को प्रदर्शित करता है। बाजार के मध्य मुख्य मार्ग पर चलते हैं तो तो सारा बाजार जीवंत सा प्रतीत होता है। दुकानों के बरामदे, फिर दुकान और उसके पीछे अनाज रखने की भूमिगत कोठियां पाई गई हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि उस काल में वस्तु विनिमय होता था। लोग अपने अनाज लेकर आते थे और बदले में अपने काम की वस्तु खरीद कर ले जाते थे। बाजार क्षेत्र में तीन कुएं प्राप्त हुए हैं, जिससे पेय जल की व्यवस्था होती थी। चूना पत्थर से निर्मित कुएं वर्तमान में सुरक्षित हैं। इस क्षेत्र में खुदाई के दौरान एक भवन से धातु की लगभग 79 प्रतिमाएं प्राप्त हुई हैं। प्रतिमाओं को देखने से पता चलता है कि धातु शिल्पकला उच्च कोटि की थी। यहां छोटी छोटी नाव के खिलौने भी मिले हैं जिससे पता चलता है कि उस काल में किस तरह नाव का प्रचलन था, क्योंकि जलमार्ग ही आवागमन का मुख्य साधन था।

आस्था: डा महेश श्रीवास्तव

भक्तों की मनोकामना पूरी होती है बूढ़ीमाता मंदिर में

छत्तीसगढ़ के अनेक स्थानों में देवियों की अनेक मान्यताओं वाले मंदिर भक्तों के आस्था के स्थल होते हैं। इसी क्रम में बगीचा विकास खंड के भीतघरा ग्राम के पास पीरईधाम में बूढ़ी माता का मंदिर है। सप्ताह में एक दिन गुरुवार को इनकी पूजा धूप, अगरबत्ती जलाकर विधि विधान से की जाती है। इस पूजा पाठ में सम्मिलित होने बिरहोर जनजाति के लोग दूर दूर से यहां आते हैं। बीमारी और दर्द से निजात पाने के लिए बूढ़ीमाता को चढ़ाई गई अगरबत्ती का भभूत (राख) का उपयोग किया जाता है इसके तहत थोड़ी भभूत इनके द्वारा प्रसाद के रूप में ग्रहण की जाती है और शेष को शरीर में लगाया जाता है। यदि किसी पीड़ति व्यक्ति की पीड़ा दूर हो जाती है तो वे इस मंदिर में बलि देने मंदिर में आते हैं। माता की प्रसिद्धि दूर दूर तक फैली है जिसके कारण भक्तों की भीड़ वर्ष भर मंदिर में होती है।

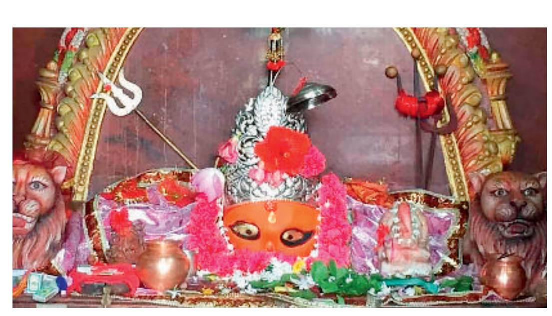

गांव की कहानी
विजय शर्मा

अनेक उपलब्धियां समाहित हैं महादेवा कसेकेरा गांव में

सुअरमारगढ़ क्षेत्र में महादेवा कसेकेरा एक प्राचीन ग्राम है। यहां एक कि मी दूरी तक गुप्तकालीन प्राचीन अवशेष बिखरे पड़े हैं। लोक मान्यता है कि वृन्दावन के पिरवर बंशीय राजा कसेरु सिंह ने इस गांव को बसाया, इस कारण गांव का नाम कसेकेरा पड़ा। दूसरी मान्यता के अनुसार यहां केले की खूब खेती होती थी। कसेकेरा से भलेसर तक सुरंग की बात बताई जाती है। कालांतर में गांव ने काफी विकास किया है। वर्तमान में स्कूल, ग्राम पंचायत मुख्यालय, पटवारी, ग्राम सहायक, बैंक और पोस्ट आफिस की सुविधा यहां उपलब्ध हो गई है। बागवानी, क़ृषि कार्य, अखाड़ा, व्यायाम, संगीत आदि की शिक्षा यहां दी जाती है। पूरा क्षेत्र नदियों एवं घने जंगलों तथा पहाड़ियों से घिरा होने के कारण आश्रमो की याद दिलाता है।

ऐतिहासिक : डा. देवी प्रसाद वर्मा

शरभपुरीय नरेश के उत्तराधिकारियों में महासुदेवराज

> महासुदेवराज ने लगभग दस वर्ष राज्य किया। महासुदेवराज के बाद उसका उत्तराधिकारी प्रवरराज हुआ जो कि मानमात्र दुर्ग राज का पुत्र और महासुदेवराज का अनुज था। महाप्रवरराज का छोटा भाई व्याघ्रराज महासुदेवराज के साथ पूर्व राष्ट्र में अपनी सत्ता को संरक्षित करने के लिए संघर्षरत था।

मानमात्र के बाद उसका पुत्र महासुदेवराज उत्तराधिकारी हुआ। अपने राज्य के पश्चिमी सीमावर्ती प्रांतों के विद्रोह को दबाने और अपनी स्थिति को निरापद रखने के लिए महासुदेवराज ने श्रीपुर को अपनी दूसरी राजधानी बनाई, क्योंकि महासामंत इंद्रबल राज पश्चिम में अपनी शक्ति बढ़ा रहा था। इंद्रबल राज के दो पुत्र ईशानदेव और नन्न राज स्वतंत्र शासक बन चुके थे। उन्हें दबाने में पहले प्रवर राज सफल रहा परन्तु बाद में उसे पराजित होना पड़ा। महासुदेवराज ने लगभग दस वर्ष राज्य किया। महासुदेवराज के बाद उसका उत्तराधिकारी प्रवरराज हुआ जो कि मानमात्र दुर्ग राज का पुत्र और महासुदेवराज का अनुज था। महाप्रवरराज का छोटा भाई व्याघ्रराज महासुदेवराज के साथ पूर्व राष्ट्र में अपनी सत्ता को संरक्षित करने के लिए संघर्षरत था। महाप्रवरराज के समय में व्याघ्रराज ने पूर्व राष्ट्र में अपनी सत्ता स्थापित कर ली थी और बड़ा भाई महाप्रवरराज पश्चिम में विद्रोह दबाने में नन्नराज और ईशानदेव के साथ घमासान युद्ध में रत था, पर वह उन पर विजय प्राप्त नहीं कर सका। इसी अवसर का लाभ उठाकर नन्नराज के पुत्र तीतरदेव ने उस पर आक्रमण कर सम्पूर्ण दक्षिण कोसल पर अपना अधिकार स्थापित कर लिया।

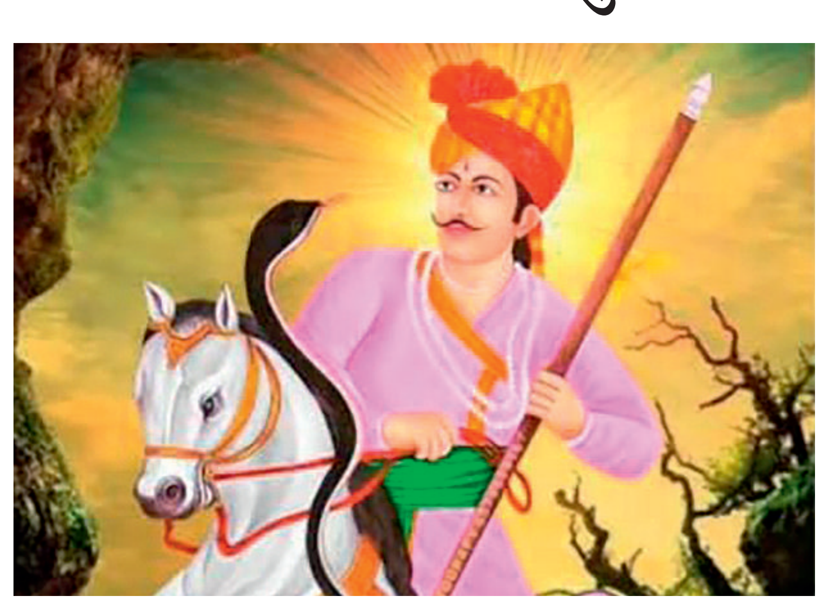

सरकार थोक मूल्य सूचकांक को उत्पादक मूल्य सूचकांक से बदलेगी, नई श्रृंखला 15 जून से

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) को समाप्त करेगी और उत्पादन, कच्चे माल और सेवाओं की कीमतों को शामिल करने वाला विस्तृत उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) लागू करेगी। इसका मकसद अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति के रुख का अधिक वास्तविक आकलन करना है। इस बारे में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के प्रधान आर्थिक सलाहकार प्रवीण महतो ने संवाददाताओं से कहा कि उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) 15 जून को नए आधार वर्ष 2022-23 के साथ डब्ल्यूपीआई की संशोधित श्रृंखला जारी करेगा।

बदलाव आईएमएफ की सिफारिशों के अनुरूप

डब्ल्यूपीआई से पीपीआई में बदलाव विकसित अर्थव्यवस्थाओं में अपनाई गई वैश्विक सर्वोत्तम गतिविधियों और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की सिफारिशों के अनुरूप है। उत्पादन पीपीआई और कच्चे माल पीपीआई दोनों की उपलब्धता से किसी उद्योग में उपयोग होने वाले कच्चे माल की तुलना में अंतिम रूप से तैयार वस्तुओं की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव को बेहतर ढंग से समझा जा सकता है।

निसान की मई में बिक्री 118 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता निसान मोटर इंडिया ने मई के दौरान घरेलू बाजार में 2,948 वाहनों की बिक्री की जो सालाना आधार पर 118 प्रतिशत अधिक है। यह लगातार तीसरा महीना है जब कंपनी की घरेलू बिक्री बढ़ी है। कंपनी ने मंगलवार को बिक्री के मासिक आंकड़े जारी करते हुए कहा कि मई, 2026 में उसने 5,023 इकाइयों का निर्यात भी किया। इस तरह महीने में कुल थोक बिक्री 7,971 इकाई दर्ज की गई। कंपनी ने बयान में कहा कि उसका कॉम्पैक्ट एसयूवी मॉडल 'मैग्नाइट' घरेलू बाजार में उसकी बिक्री का प्रमुख आधार बना हुआ है। इसके अलावा नए मॉडल 'ग्रेवाइट' को भी बाजार से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दन्तेवाड़ा, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)
ई मेल पता:- ee-res.Dantewada@nic.in

निरस्तीकरण आदेश

क्रमांक / 572 / निविदा/ग्रा.यां.से./2026-27, दन्तेवाड़ा दिनांक- 29/05/2026

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित जोनल निविदा सूचना कमांक-465/ निविदा/ग्रा.यां. सेवा/2026, दन्तेवाड़ा दिनांक 20.04.2026 के द्वारा ऑनलाईन ई-निविदा जारी किया गया था, किन्तु अपरिहार्य कारणों से उक्त निविदा को निरस्त किया जाता है।

कार्यपालन अभियन्ता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दन्तेवाड़ा
जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

जी. 262701130/5

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)
दूरभाष (का.) 0771-2439564, 0771-2331204, वेबसाईट: www.psc.cg.gov.in

क्रमांक / GENS-2101/2143/2026/EXAM Part (4)/DIS/515674/2026 — नवा रायपुर दिनांक 29/05/2026

राज्य सेवा (मुख्य) परीक्षा 2025 के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना

राज्य सेवा (मुख्य) परीक्षा 2025 दिनांक 06, 07.08 एवं 09 जून 2026 को जिला सरगुजा (अंबिकापुर), बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर (जगदलपुर) एवं रायपुर (छ.ग.) के निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी। जिसकी समय सारणी निम्नानुसार है:-

DATE	DAY	TIME	PAPER	SUBJECT
06.06.2026	Saturday	9:00 AM TO 12:00 PM	PAPER-I	LANGUAGE
		02:00 PM TO 05:00 PM	PAPER-II	ESSAY
07.06.2026	Sunday	9:00 AM TO 12:00 PM	PAPER-III	GENERAL STUDIES-I
		02:00 PM TO 05:00 PM	PAPER-IV	GENERAL STUDIES-II
08.06.2026	Monday	9:00 AM TO 12:00 PM	PAPER-V	GENERAL STUDIES-III
		02:00 PM TO 05:00 PM	PAPER-VI	GENERAL STUDIES-IV
09.06.2026	Tuesday	9:00 AM TO 12:00 PM	PAPER-VII	GENERAL STUDIES-V

उक्त परीक्षा हेतु आयोग द्वारा प्रवेश पत्र दिनांक 25.05.2026 को जारी कर दिया गया है। अभ्यर्थी आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते है। आयोग कार्यालय द्वारा किसी भी अभ्यर्थी को पृथक से प्रवेश पत्र अथवा प्रवेश पत्र जारी किए जाने संबंधी कोई सूचना या SMS व्यक्तिशः नहीं भेजा जाएगा।

परीक्षा नियंत्रक
छ.ग. लोक सेवा आयोग नवा रायपुर अटल नगर

जी. 262701128/2

पश्चिम एशिया संकट से एमएसएमई पर दबाव

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण चालू वित्त वर्ष में भारत के सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र पर दबाव बढ़ने की आशंका है जिससे उनकी आय और मुनाफे में गिरावट आ सकती है। मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह आशंका जताई गई। 'क्रिसिल इंटेलिजेंस' की एमएसएमई क्षेत्र पर जारी नवीनतम रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026-27 में इस क्षेत्र की आय वृद्धि घटकर 7.5-8.5 प्रतिशत रह सकती है, जो 2025-26 के मुकाबले करीब एक प्रतिशत कम है। वहीं, कर-पूर्व आय (एबिटर) मार्जिन 0.5 से एक प्रतिशत तक घटकर 5-5.5 प्रतिशत रह जाने का अनुमान है। रिपोर्ट कहती है कि यह क्षेत्र कच्चे माल की उपलब्धता में कमी और व्यापारिक बाधाओं के कारण दोहरी चुनौती का सामना कर रहा है। ऊर्जा-आधारित कच्चे माल की कमी से उत्पादन प्रभावित हो रहा है, जबकि बढ़ती लागत को ग्राहकों पर पूरी तरह डाल पाने की सीमित क्षमता से मुनाफा दबाव में है। क्रिसिल के मुताबिक, गुजरात के मोरबी, सूरत एवं वडोदरा और उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जैसे औद्योगिक केंद्र सबसे अधिक प्रभावित हो सकते हैं।

नगर सेना, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं तथा राज्य आपदा मोचन बल मुख्यालय छत्तीसगढ़ सेक्टर-19 अटल नगर, नवा रायपुर

महत्वपूर्ण सूचना

क्रमांक/381/ स्था03 /फायर भर्ती/2026
अटल नगर रायपुर, दिनांक 02/06/2026

छत्तीसगढ़ अग्निशमन विभाग में भर्ती अन्तर्गत फायरमेन पद की लिखित परीक्षा हेतु व्यापम की वेबसाईट पर ऑनलाईन पंजीयन कार्यवाही हेतु सूचना

छत्तीसगढ़ अग्निशमन विभाग में भर्ती अन्तर्गत फायरमेन पद के 117 रिक्त पदो हेतु व्यापम द्वारा ली जाने वाली लिखित परीक्षा की तिथि 19.07.2026 प्रस्तावित है, उपरोक्त लिखित परीक्षा हेतु पात्र अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे लिखित परीक्षा में सम्मिलित होने के लिये व्यापम की वेबसाईट पर ऑनलाईन पंजीयन / आवेदन करना सुनिश्चित करें। ऑनलाईन पंजीयन / आवेदन सबमिट करने की प्रक्रिया 08.05.2026 से प्रारंभ है जिसकी अन्तिम तिथि 05.06.2026 संध्या 17:00 बजे तक है।

फायरमेन पद की लिखित परीक्षा हेतु पात्र सभी अभ्यर्थी उपरोक्तानुसार ऑनलाईन पंजीयन की कार्यवाही अनिवार्य रूप से करना सुनिश्चित करें। पंजीयन नहीं करने की स्थिति में लिखित परीक्षा से वंचित होने पर वे स्वयं जिम्मेदार होगें।

टीप:- यह ऑनलाईन प्रक्रिया केवल फायरमेन पद हेतु है। अग्निशमन भर्ती के शेष पदों की लिखित परीक्षा की तिथि व्यापम द्वारा पृथक से घोषित की जावेगी, इस हेतु अभ्यर्थी व्यापम की वेबसाईट का अवलोकन करते रहे।

आन्तरिक:- पीएस टू डीजी

निदेशक
नगर सेना, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएँ तथा SDRF मुख्यालय सेक्टर-19
नवा रायपुर छत्तीसगढ

जी. 262701154/2

विश्व पर्यावरण दिवस
पोस्टर प्रतियोगिता
दिनांक - 5 जून 2026, प्रातः 10.00 बजे से
विषय- "प्रकृति से प्रेरित होकर जलवायु और भविष्य का संरक्षण"
"Inspired by Nature, For Climate, For Our Future"
स्थान - होटल बेबीलॉन इंटरनेशनल, व्ही.आई.पी. रोड, रायपुर

प्रथम पुरस्कार रु.5000/- | द्वितीय पुरस्कार रु.4000/- | तृतीय पुरस्कार रु.3000/-
एवं रु. 1000/- के सांत्वना पुरस्कार सभी चार आयु वर्गों में

आवश्यक निर्देश
- प्रतियोगिता चार आयु वर्गों में होगी।
  प्रथम आयु वर्ग :- 12 वर्ष तक
  द्वितीय आयु वर्ग :- 13 से 17 वर्ष तक
  तृतीय आयु वर्ग :- 18 से 21 वर्ष तक
  चतुर्थ आयु वर्ग :- दिव्यांगजन
- सभी प्रतिभागी अपनी संस्था का पहचान पत्र एवं आयु प्रमाण पत्र की छायाप्रति अवश्य साथ लावें, आयु की गणना 1 जून से की जाएगी।
- पुरस्कार वितरण दिनांक 5 जून 2026 को दोपहर 3.00 बजे से होटल बेबीलॉन इंटरनेशनल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में किया जायेगा।
- रजिस्ट्रेशन प्रतियोगिता स्थल पर भी कराया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए निम्न नम्बरों पर कॉल किया जा सकता है- 9827936887, 8871545711, 9669763732

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल
(आवास एवं पर्यावरण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन)
पर्यावास भवन, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर, जिला रायपुर (छ.ग.)
संवाद- 47997

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) जिला बलरामपुर-रामानुजगंज मुख्यालय बलरामपुर (छ.ग.)
फोन नम्बर 07831-299063 ई-मेल :-acbalrampur@gmail.com

संक्षिप्त ई-निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक 591 / निर्माण/आ.वि./2026 — बलरामपुर, दिनांक-29-MAY2026

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग रायपुर द्वारा लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ में "ए" एवं उच्च श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग भवन निर्माण हेतु दिनांक 01.01.2015 से प्रचलित दर अनुसूचि में फार्म-A (प्रतिशत दर आधार पर) ई-निविदा (प्रथम बार) दिनांक 30.06. 2026 सायं 5.00 बजे तक निम्न तालिका में दर्शित कार्य हेतु आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा की राशि	अमानत राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षाकाल सहित)
1	191711	प्रयास आवासीय विद्यालय जिला बलरामपुर भवन निर्माण	24,06,00,000-00	5,00,000-00	26 माह (वर्षाकाल सहित)

(शब्दो में:- रूपये चौबीस करोड़ छः लाख मात्र)

टीप:-निविदा की सामान्य शर्ते एवं अन्य जानकारी वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in/ में देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास
बलरामपुर-रामानुजगंज

जी-262701123/5

अब साउथ कोरिया बना भारत को पछाड़ दुनिया का छठा सबसे बड़ा शेयर बाजार

नई दिल्ली। भारत के शेयर बाजार के लिए एक बड़ा झटका सामने आया है। पहले ताइवान और अब दक्षिण कोरिया ने भी भारत को पीछे छोड़ दिया है। एआई और चिप कंपनियों में जबरदस्त तेजी के दम पर दक्षिण कोरिया अब दुनिया का छठा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन गया है। वहीं भारत की रैंकिग गिर गई है और वह खिसक कर सातवें स्थान पर आ गया है।

ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के मुताबिक, 2026 में दक्षिण कोरिया के शेयर बाजार का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन बढ़कर करीब 5 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है। दूसरी ओर भारत का बाजार मूल्य घटकर लगभग 4.8 ट्रिलियन डॉलर रह गया। इसी वजह से दक्षिण कोरिया ने भारत को पीछे छोड़कर छठा स्थान हासिल कर लिया। दक्षिण कोरिया का प्रमुख शेयर बाजार सूचकांक कोस्पी इस साल 100 प्रतिशत से ज्यादा उछल चुका है। मई महीने में ही इसमें करीब 28 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। एआई चिप्स की मांग बढ़ने से निवेशकों ने टेक कंपनियों में जमकर निवेश किया, जिससे पूरा बाजार नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया।

नवा रायपुर अटल नगर के विभिन्न सेक्टरों में दुकान/चबूतरा/हॉल को लाइसेंस पर आबंटन हेतु निविदा आमंत्रण सूचना एवं निविदा प्रपत्र

नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण
पर्यावास भवन, नार्थ ब्लाक, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर, जिला रायपुर (छ.ग.)-402002
कार्यालय फोन: 0771-2512500, फैक्स 0771-2512400, ई-मेल ceo.nranvp@cg.gov.in

क्र. 4083/60A/संपदा / न.स.अ.न.वि.प्रा./2026 — नया रायपुर अटल नगर, दिनांक27/5/20725

निविदा आमंत्रण सूचना

नवा रायपुर अटल नगर में लाइसेंस पर आबंटन हेतु निम्नांकित स्थानों पर निर्मित किये गये दुकान/चबूतरा/हॉल का आबंटन हेतु पृथक-पृथक निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र में आमंत्रित की जाती है:-

विवरण	स्थान	कुल सख्या	आरक्षण विवरण (दुकान / चबूतरा / हॉल कमांक)				
			अनारक्षित	अ.जा./ अजजा	अ.पि. वर्ग	महिला/विधवा/ परित्यक्ता प	दिव्यांग
दुकान	1) सेक्टर-19: राखी, एमिनिटीज ब्लाक	01	डी-4 (मेडिकल हेतु)	-	-	-	-
	2) सेक्टर-25: ग्राम-राखी वाणिज्यिक परिसर	19	8, 16, 22, 23, 24, 29, 31, 32, 34, 35	4, 37, 40, 41	17, 30, 36	25	10
	3) सेक्टर-24: झांझ सेन्ट्रर पार्क के पास	1	02	-	-	-	-
	4) सेक्टर-28: ग्राम-नवागांव (खपरी)	1	32	-	-	-	-
चबूतरा	1) सेक्टर-28: ग्राम-नवागांव (खपरी)	05	64, 76, 120	108, 111	-	-	-
हॉल	1) सेक्टर-25: ग्राम-राखी वाणिज्यिक परिसर	3	1, 3, 4	-	-	-	-

सेक्टर-19, राखी एमिनिटीज ब्लाक दुकान क्रमांक डी-4, आरक्षित मासिक लाइसेंस शुल्क रू. 80.00 प्रति वर्गफीट, सेक्टर-24 झांझ सेन्ट्रर पार्क के पास दुकान क्रमांक 02. आरक्षित मासिक लाइसेंस शुल्क रु. 67.00 प्रति वर्गफीट, सेक्टर-28, ग्राम नवागांव (खपरी), दुकान क्रमांक-32 आरक्षित मासिक लाइसेंस शुल्क रु. 67.00 प्रति वर्गफीट, शेष दुकानों के लिए आरक्षित मासिक लाइसेंस शुल्क रू. 22.00 प्रति वर्गफीट, चबूतरा एवं हॉल के लिए आरक्षित मासिक लाइसेंस शुल्क रु. 9.00/- प्रति वर्गफीट है, जिससे अधिक दर की निविदा प्रस्तावत पर ही विचार किया जायेगा। (दुकान / चबूतरा / हॉल प्रारंभ में 3 वर्ष के लिए लाइसेंस पर आबंटित की जावेगी। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस शुल्क, जीएसटी एवं अन्य शुल्क का समयावधि में भुगतान करने एवं अन्य शर्तों का पालन करने की स्थिति में लाइसेंस अवधि प्रत्येक 3 वर्ष में लायसेंस फीस में 15 प्रतिशत वृद्धि के साथ 3+3 वर्षों की दो अतिरिक्त कालावधियों के लिये बढ़ायी जा सकेगी।) निविदा प्रपत्र में दुकान / चबूतरा / हॉल का आकार, आबंटन की शर्ते एवं अन्य विवरण संलग्न है। नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण की वेबसाइट https://navaraipuratalnagar.com से निविदा प्रपत्र डाउनलोड कर, रू. 590/- का बैंक ड्राफ्ट, जो मुख्य कार्यपालन अधिकारी नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण को देय होगा, निविदा के साथ संलग्न किया जाकर बंद लिफाफे में निर्धारित अंतिम तिथि तक जमा किया जा सकता है। निविदा दिनांक 23/06/2026 के अपरान्ह 3.00 बजे तक जमा की जा सकती है। निविदा शर्तों में संशोधन केवल प्राधिकरण वेबसाइट पर ही प्रकाशित की जावेगी।

(मुख्य कार्यपालन अधिकारी महोदय द्वारा अनुमोदित)

प्रबंधक (संपदा)
नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण
नवा रायपुर अटल नगर, जिला बिलासपुर (छ.ग.)

संवाद-47998

कार्यालय आयुक्त, चिकित्सा शिक्षा छत्तीसगढ़
स्वास्थ्य भवन, द्वितीय तल, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर, अटल नगर, छ.ग. 492002

क्रमांक/1115/छात्र/काउंसिलिंग/संचिशि/2026 रायपुर, — दिनांक 01/06/2026

फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट (FMG) अप्रैल बैच वर्ष 2026 क्लिनिकल क्लर्कशिप एवं इंटर्नशिप द्वितीय चरण काउंसिलिंग प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रण सूचना

फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट (FMG) अप्रैल बैच वर्ष 2026 क्लिनिकल क्लर्कशिप एवं इंटर्नशिप प्रथम चरण की काउंसिलिंग प्रक्रिया के उपरांत छत्तीसगढ़ राज्य के शासकीय एवं निजी चिकित्सा महाविद्यालयों में रिक्त रह गई सीटों पर द्वितीय चरण की काउंसिलिंग के लिए पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं (सलंग्न: संस्थावार रिक्त सीटों की जानकारी)।

सभी पात्र अभ्यर्थी जो छत्तीसगढ़ राज्य के शासकीय एवं निजी चिकित्सा महाविद्यालयों में क्लिनिकल क्लर्कशिप एवं इंटर्नशिप करना चाहते हैं, वे नीचे दी गई प्रस्तावित समय-सारणी के अनुसार ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन करते समय निर्धारित आवेदन शुल्क के साथ प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान करना अनिवार्य होगा।

शुल्क

शुल्क विवरण	छ.ग. राज्य के मूल निवासियों हेतु	राज्य के बाहर के निवासियों हेतु
ऑनलाईन आवेदन शुल्क	रू. 1000/- (रूपये एक हजार मात्र)	रू. 1000/- (रूपये एक हजार मात्र)
प्रोसेसिंग शुल्क	रु. 10,000/- (रूपये दस हजार मात्र)	रु. 25,000/-(रूपये पच्चीस हजार मात्र)
कुल शुल्क	रू. 11,000/-(रूपये ग्यारह हजार मात्र)	रू. 26,000/- (रूपये छब्बीस हजार मात्र)

समय-सारिणी

क्रं.	प्रक्रिया का विवरण	विवरण
1	ऑनलाईन आवेदन-प्रारंभ तिथि	दिनांक 02 जून 2026 समय (Server Time) 11.00 Hrs. (11:00 AM) से
2	ऑनलाईन आवेदन-अंतिम तिथि	दिनांक 09 जून 2026 समय (Server Time) 23.59 Hrs. (11:59 PM) तक
3	च्वाइस फिलिंग एवं लॉकिंग (Choice Filling and Locking) करने की प्रारंभतिथि एवं अंतिम तिथि	दिनांक 02 जून 2026 समय (Server Time) 11.00 Hrs. (11:00 AM) से दिनांक 09 जून 2026 समय (Server Time) 23.59 Hrs. (11:59 PM) तक

नोट:- जिन अभ्यर्थियों द्वारा प्रथम चरण की काउंसिलिंग के समय आवेदन शुल्क एवं प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान किया जा चुका है, उन्हें इस चरण में पुनः शुल्क भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। किंतु प्रथम चरण में की गई उनकी चॉइस फिलिंग स्वतः शून्य हो गई है, अतः उन्हें पुनः चॉइस फिलिंग करना अनिवार्य होगा।

महत्वपूर्ण निर्देश:-1. केवल वे अभ्यर्थी आवेदन करने के पात्र होंगे जिनके पास NMC द्वारा जारी FMG स्क्रीनिंग टेस्ट उत्तीर्ण प्रमाणपत्र/स्कोर कार्ड है। 2. ऑनलाईन आवेदन के समय अभ्यर्थियों को निम्नलिखित दस्तावेज आवेदन फार्म के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगा। *FMG प्रमाणपत्र / स्क्रीनिंग टेस्ट स्कोर कार्ड * छत्तीसगढ़ राज्य मूलनिवासी प्रमाणपत्र (यदि छ.ग. राज्य के मूल निवासी हो तो)* मूल शपथ पत्र (Notarized Affidavit) 3. भुगतान केवल (i) क्यूआर कोड आधारित यूपीआई और (ii) बैंक ट्रांसफर के माध्यम से ही किया जा सकता है। भुगतान करने के पश्चात अभ्यर्थियों को फॉर्म में ट्रांजेक्शन का विवरण भरना अनिवार्य होगा। एक बार भुगतान किया गया शुल्क किसी भी स्थिति में वापिस नहीं किया जाएगा, चाहे अभ्यर्थी आवंटित इंटर्नशिप कार्यक्रम में शामिल हों या नहीं। 4. सभी नए अभ्यर्थियों के लिए अनिवार्य है कि वे संलग्न प्रारूपानुसार शपथ पत्र रु. 50/- के गैर-न्यायिक स्टाम्प पेपर पर नोटरी से सत्यापित कराकर ऑनलाइन आवेदन के साथ अपलोड करें। बिना शपथ पत्र के आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। 5. काउंसिलिंग की समस्त प्रक्रिया (पंजीयन राशि भुगतान, संस्था चयन) अभ्यर्थी द्वारा स्वंय किया जाता है, इसलिए अपूर्ण अथवा गलत जानकारी प्रदाय करने की स्थिति में अगर अभ्यर्थी का पंजीयन अथवा आबंटन निरस्त किया जाता है, तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी केवल अभ्यर्थी की होगी। यह कार्यालय अथवा काउंसिलिंग समिति किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होगा। अभ्यर्थी फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट (FMG) क्लिनिकल क्लर्कशिप एवं इंटर्नशिप काउंसिलिंग प्रक्रिया की समय-सारिणी, आबंटन एवं अन्य जानकारी हेतु संचालनालय की वेबसाईट www.cgdme.in का अवलोकन करें।

(आयुक्त चिकित्सा शिक्षा द्वारा अनुमोदित)

अध्यक्ष,
काउंसिलिंग समिति,
संचालनालय चिकित्सा शिक्षा, छ.ग.

जी-262701145/2

राशिफल

मेष — कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष — कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी,स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुन — अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी,संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धर्नाजन हो सकता है।

सिंह — पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है।

कन्या — नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला — आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक — वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे,वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

धनु — रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है।

मकर — आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं। चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है।

मीन — रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

शब्द पहेली - 6245

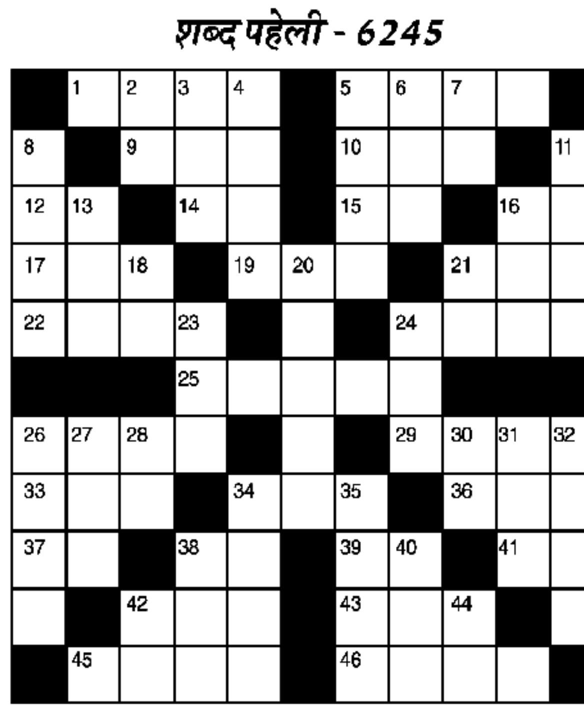

बाएँ से दाए
1. सरदार,अगुआ-4
5. जनमत,एक राय-4
9. पुराना जुकाम-3
10. चिंता,परवाह-3
12. पैंदा,तल्ला-2
14. ताल,सुर,आलाप-2
15. महोदय (अंग्रेजी-2)
16. लाडला,दुलारा-2
17. निवास करना-3
19. डोली उठाने वाले-3
21. नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22. तड़फाना-4
24. जल में रहनेवाला-4
25. दरियादिल,करुण-5
26. इराक की राजधानी-4
29. भेंट,पुरस्कार-4
33. पासों से भविष्य देखना-3
34. अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36. चौकसी,रखवाली-3
37. हलक,कंठ-2
38. सदैव-2
39. लार -2
42. निश्चित-2
42. कालीन-3
43. बंदर,मर्कट-3
45. किसान-4
46. इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे
2. क्रिकेट में बनते हैं-2
3. नगमा,गीत (उर्दू-3)
4. जो लायक न हो-4
5. अधिकारी,अफसर-4
6. राशिचक्र की एक राशि -3
7. झगड़ा,बैर-2
8. आदत,व्यवहार-4
11. शमशीर-4
13. तरंग,हिलोर-3
16. तृष्णा,लोभ-3
18. अमेरिका स्थित बेधशाला-2
20. जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21. नीर,पानी-2
23. देवर्षि-3
24. ईर्ष्या,डाह-3
26. वटवृक्ष-4
27. जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28. दलहन-2
30. मंत्र जाप-2
31. तसल्ली,आराम-3
32. भगवान विष्णु-4
34. धर्मशीलता-4
35. पैजामा-4
38. तमीज-3
40. साजन,प्रेमपात्र-3
42. पहरा,चौकसी-2
44. अवकाश-2

शब्द पहेली- 6244 का हल

सूडोकु नवताल - 6255

★★★★☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6254 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

राज्य बाल संरक्षण समिति छत्तीसगढ
संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग, छत्तीसगढ़
इन्द्रावती भवन, ब्लॉक 01, द्वितीय तल, नवा रायपुर, अटल नगर
दूरभाष कमांक 0771-2234192, 2234188 (Fax) email: dirwcd@nic.in

"सूचना"

मिशन वात्सल्य योजनांतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग के नाम पर फर्जी भर्ती एवं नियुक्ति पत्र जारी करने के संबंध में सूचना

महिला एवं बाल विकास विभाग की "मिशन वात्सल्य" योजना अंतर्गत समय-समय पर रिक्त पदों पर नियुक्ति की नियमानुसार कार्यवाही की जाती है। विभाग के नाम पर अपराधी तत्वों द्वारा विभाग में विभिन्न संविदा पदों पर फर्जी तरीके से फर्जी नियुक्ति पत्र (Fake Appointment Letter) जारी किया रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग में सभी नियुक्तियां पूरी तरह से पारदर्शी और स्थापित शासकीय नियमों के तहत ही की जाती हैं। विभाग आम जनता और नौकरी की तलाश कर रहे सभी युवाओं से अपील करता है कि वे ऐसे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, अनाधिकृत एजेंट या फर्जी कॉल / पत्रों के झांसे में न आएं।

विभाग की सभी आधिकारिक नियुक्तियों की जानकारी शासकीय वेबसाइटों में अपलोड और प्रमुख समाचार पत्रों के माध्यम से ही जारी की जाती है तथा नियुक्ति के संबंध में प्रत्येक चरण की कार्यवाही वेबसाइट www.cgstate.gov.in व www.cgwcd.gov.in पर अपलोड किया जाता है। असामाजिक तत्वों द्वारा शासकीय सेवा/संविदा पदों पर नियुक्ति जारी संबंधी झांसे में ना आवें व निरंतर उक्त वेबसाइट चेक करते रहें। यदि किसी भी व्यक्ति को ऐसी ठगी या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलती है, तो वे तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन, डायल 112 या डायल 100 पर इसकी सूचना देवें।

(डॉ रेणुका श्रीवास्तव)
संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग
एवं सचिव, राज्य बाल संरक्षण समिति
नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)

जी-262701152/2

प्रथम पृष्ठ का शेष

किस वाहन पर...

लिए यह राशि 2.5 लाख रुपये, मध्यम यात्री वाहनों के लिए 3 लाख रुपये तथा मध्यम मालवाहक वाहनों के लिए 4 लाख रुपये निर्धारित की गई है। भारी यात्री वाहनों के लिए भी 4 लाख रुपये और भारी मालवाहक वाहनों के लिए 5 लाख रुपये की बैंक गारंटी देनी होगी। अन्य विशेष श्रेणी के वाहनों के लिए भी 5 लाख रुपये की गारंटी का प्रावधान रखा गया है।

सीबीएसई चेयरमैन-...

विफलताओं और सत्यापन एवं पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया में देरी को लेकर भी बोर्ड को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। गौरतलब है कि दिल्ली के वेदांत श्रीवास्तव ने भी 12वीं की परीक्षा दी थी। फिजिक्स में 65 नंबर मिले तो उन्होंने आवाज उठाई। रीवैल्युएशन में कॉपी मिली तो गड़बड़ी का पता चला। पहले उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया। ट्रोलर्स ने उन्हें देशद्रोही तक कहा, बाद में बोर्ड ने गलती मानी और माफी मांगी। इसी तरह रांची के 17 साल के सार्थक सिद्धांत टेक रिसर्चर हैं। उन्होंने भी परीक्षा दी थी। उन्होंने एक आम छात्र से आगे बढ़कर एक खोजी पत्रकार/डेटा साइंटिस्ट की तरह काम किया। सीबीएसई की तरफ से जारी पिछले 576 दस्तावेजों का बारीकी से अध्ययन और तुलना कर टेंडर में गड़बड़ी का खुलासा किया।

-री-ईवैल्यूएशन पोर्टल...

से ज्यादा छात्रों ने आवेदन कर दिया। यह पोर्टल सोमवार से शुरू होना था। सीबीएसई ने कहा कि उसकी टीमें पूरी सतर्कता और सक्रियता के साथ काम कर रही हैं। बोर्ड ने भरोसा दिलाया कि छात्रों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी और पोर्टल को सुरक्षित बनाए रखने के लिए तकनीकी निगरानी लगातार जारी रहेगी।

ओएसएम खलनायक...

क्षमता शामिल है। इंटरनेशनल बैकलॉरिएट ऑर्गनाइजेशन सहित कई प्रतिष्ठित मूल्यांकन संगठनों ने वर्षों से डिजिटल मूल्यांकन प्रणालियों का सफलतापूर्वक उपयोग किया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उदय ओएसएम के पक्ष को और भी मजबूत बनाता है। एआई-संचालित मूल्यांकन एनालिटिक्स परीक्षक के पूर्वाग्रह की पहचान कर सकते हैं, असामान्य रूप से सख्त या उदार मार्किंग का पता लगा सकते हैं, विभिन्न मूल्यांकनकर्ताओं के बीच विसंगतियों को चिह्नित कर सकते हैं, और वास्तविक समय में सुधार के हस्तक्षेप की सिफारिश कर सकते हैं। ऐसी क्षमताओं को विशुद्ध रूप से कागज-आधारित प्रणाली में लागू करना असंभव या कम से कम बेहद कठिन है। एआई एक बुद्धिमान गुणवत्ता आश्वासन परत के रूप में कार्य कर सकता है, जो मानव परीक्षकों के पेशेवर निर्णय को बदले बिना निष्पक्षता और निरंतरता सुनिश्चित करने में मदद करता है। हालांकि, इस स्तर के बदलाव शायद ही कभी पूरी तरह से निर्बाध होते हैं। हर बड़े परीक्षा सुधार को एक समायोजन अवधि से गुजरना पड़ता है। शुरुआती वर्षों में, अक्सर एक हाइब्रिड मॉडल (मिश्रित तरीका) सबसे समझदारी भरा दृष्टिकोण होता है। पारंपरिक मूल्यांकन प्रथाएं और ओएसएम एक साथ सह-अस्तित्व में रह सकते हैं, जिससे परीक्षा अधिकारियों को परीक्षकों का विश्वास जीतने, कार्यप्रवाह को सुधारने, वेंडर की क्षमताओं को बढ़ाने और परिणामों पर सबूत जुटाने का समय मिलता है। इस चरण के दौरान, निरंतर अंशांकन, परीक्षकों का प्रशिक्षण और मजबूत मॉडरेशन आवश्यक हो जाता है।

आदिवासी समाज...

आंदोलन किया जाएगा। बहरहाल प्रशासन का इस मामले में क्या कहना है यह सामने नहीं आया है। लेकिन सोमवार के प्रदर्शन के बाद प्रशासन से समुचित कार्रवाई की अपेक्षा की जा रही है।

आग में डालने...

घर के समीप पानी लेने गई थी। इसी बीच बच्चे कहीं से फेंके गए मोबाइल की बैटरी को लेकर आ गए और खेलने के दौरान ही आंगन में आग जलाकर बैटरी को जलाने लगे। आग से गर्म होकर बैटरी फट गई। बैटरी के फटने पर बड़े बच्चे भाग गए लेकिन एक वर्षीय आदित्य सिंह वहीं बैठा रह गया जिससे बैटरी का गर्म कैमिकल मासूम के सिर से लेकर पांव तक लग गया। वह गंभीर रूप से झुलस गया। इधर, पानी लेकर आई मां ने बच्चे की हालत को देखा तो उसके होश उड़ गए। बच्चों से जब पूछताछ की तो बच्चों ने मोबाइल की बैटरी फटने से आदित्य के झुलस जाने की बात बताई। रात लगभग 9 बजे महेन्द्र काम से घर लौटा और गंभीर रूप से झुलसे पुत्र आदित्य को देख तत्काल प्रेमनगर अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के पश्चात मासूम को जिला अस्पताल सूरजपुर भेज दिया। परिजन मासूम को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने मासूम की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया जहां उपचार के दौरान मासूम की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द किया है।

आग में डालने से...

खेलने के दौरान ही बच्चों ने मोबाइल की बैटरी को आग में डाल दी जिससे गर्म होकर बैटरी फट गई। इस दौरान बड़े बच्चे मौके से भाग गए जबकि एक वर्षीय आदित्य आग के समीप ही बैठा रह गया जिससे बैटरी के केमिकल और आग की चपेट में आने से झुलस गया था।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य...

करने के लिए राजधानी समेत जिले पर्याप्त और बड़े चिकित्सकीय संस्थान है। इसके अलावा यहां अन्य जिलों की तुलना में मानव सहित अन्य संसाधनों की संख्या पर्याप्त है। इसके बाद बाद जिला जारी किए गए स्कोर कार्ड में अपना दसवां स्थान बना पाया है। जबकि बेहतर काम करने के लिए कोरबा, कोरिया जैसे छोटे जिलों को ग्रीन जोन में शामिल हुए हैं। **इन स्वास्थ्य कार्यक्रमों के आधार पर बना स्कोर कार्ड-** राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के रूप में संचालित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग एवं स्ट्रोक रोकथाम कार्यक्रम, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, सिकल सेल रोग नियंत्रण कार्यक्रम तथा डायलिसिस सेवाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का आंकलन कर स्कोर कार्ड बनाया गया।

लूट का विरोध...

बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गिरफ्तार आरोपी-
खुशीराम साहू, निवासी बिटकुला, थाना सीपत, जिला बिलासपुर।
राजाराम साहू, निवासी बिटकुला, थाना सीपत, जिला बिलासपुर।
गया प्रसाद रजक, निवासी करौंदानार, देवरीखुर्द, चौकी कोटमीकला, जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही।

बरामद सामग्री-
एक देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, लूटे गए आभूषण, तीन मोबाइल फोन

इनकी रही विशेष भूमिका-
इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अविनाश मिश्रा, मरवाही अनुविभागीय पुलिस अधिकारी राजेश देवांगन, पेंड्रा अनुविभागीय पुलिस अधिकारी श्याम सिदार सहित जिला पुलिस, जिला साइबर प्रकोष्ठ, बिलासपुर विशेष दल तथा बिलासपुर परिक्षेत्र की विभिन्न पुलिस इकाइयों के अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कोटमीकला करौंधानार में लुटेरे रूके थे- मुख्य आरोपी खुशीराम साहू व बिहार झारखंड के शूटर वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी कोटमीकला करौंधानार देवरीखुर्द निवासी गया प्रसाद रजक के घर में रूके थे। उसके बाद आरोपी भागकर सीपत आ गए थे। यहां जेवर का बंटवारा करने के बाद शूटर भाग गए।

अब मुख्यधारा में...

खरीदी। दोनों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आत्मनिर्भरता ही नए जीवन की सबसे बड़ी पहचान है। मासा तामो का बचपन गरीबी और अभावों में बीता। बचपन में पिता का साया उठ गया और पढ़ाई का अवसर कभी नहीं मिला। वर्ष 2007 में परिस्थितियों के कारण वह नक्सली संगठन से जुड़ गया। उधर जयमोती की कहानी भी संघर्षों से भरी रही। बचपन में माता-पिता का निधन हो गया और जीवन की कठिन परिस्थितियों ने उन्हें भी उसी रास्ते की ओर धकेल दिया। संगठन में दोनों की मुलाकात हुई और वर्ष 2021 में उन्होंने विवाह कर लिया। लेकिन समय के साथ दोनों ने महसूस किया कि हिंसा का रास्ता उनके भविष्य और आने वाली पीढ़ियों के लिए उचित नहीं है। अक्टूबर 2025 में उन्होंने साहसिक निर्णय लेते हुए आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया। **सरकार की पुनर्वास नीति और सहयोग ने बदली जिंदगी-** अब हाथों में हथियार नहीं, मेहनत की कमाई है मुख्यमंत्री से चर्चा के दौरान मासा और जयमोती ने बताया कि अब सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर रहे हैं। दुकान से होने वाली आय से परिवार की जरूरतें पूरी हो रही हैं और भविष्य को लेकर नई उम्मीद जगी है। उन्होंने कहा कि कभी नहीं सोचा था कि जीवन में ऐसा बदलाव आएगा, लेकिन सरकार की पुनर्वास नीति और प्रशासन के सहयोग ने उन्हें नई पहचान दी है। **कुछ मिनटों का संवाद बना भावनात्मक पल-** मुख्यमंत्री ने कहा कि मासा और जयमोती की कहानी केवल दो व्यक्तियों की कहानी नहीं, बल्कि बदलते बस्तर की कहानी है।

वेदांता ग्रुप पर...

उन्होंने बताया कि जारी जांच में समूह की कुछ अन्य व्यवस्थाओं की भी पड़ताल की जा रही है। वेदांता लिमिटेड धातुओं, महत्वपूर्ण खनिजों और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रमुख वैश्विक उत्पादक है। कंपनी का कारोबार भारत, अफ्रीका, पश्चिम एशिया और पूर्वी एशिया में फैला है।

Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Limited
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) (ISO 9001: 2015 Certified)
1st Floor, Udyog Bhawan, Ring Road No.1, Telibandha, Raipur (C.G.) - 492006
CIN: U45203CT1981SG001853, PAN: AABCM6288N, GST Regn. No. 22AABCM6288N5ZY
Phone: 0771-6621000, Fax: 0771-2583794
Website: www.csidc.in, Email address: csidc.cg@nic.in, csidc_raipur@yahoo.com

NOTICE INVITING TENDER (3rd Call)
(Through e-Procurement Portal Only)

NIT No. 19/CSIDC/E.E./Division-I/2026-27/ **Raipur, Dated 29/05/2026**

Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Ltd., Raipur (CSIDC), a Government of Chhattisgarh Undertaking constituted under the Companies Act, engaged in Industrial Infrastructure Development & Other Related Activities in the State invites online tender for the following work:-

S. No.	Name of Work	Registered Contractor in CGPWD or in appropriate class in other dep't.	Probable Amount of Contract (PAC) (INR Crore)	Last Date for Submission of tender
A	Infrastructure development works i/c roads, drainage, culverts, water supply system & street light for Proposed New Industrial Area at Village Anjani, District- Gaurela-pendra-Marwahi (C.G.)	Class-B & Above	3.87	09.06.2026

The tender document containing detailed terms & conditions, scope of works and other details can be downloaded from the web portal (website) https://eproc.cgstate.gov.in from **29/05/2026** Time 17:01 and shall be submitted online only. Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.

NOTE: The interested tenderers for online submission of tender may contact CG e-Proc Helpdesk. Operated by **Mjunction Services Limited,** they may reach Helpdesk using 18004199140 (therein press 2 for CG e-Proc) or you can email them at Helpdesk.eproc@cgswan.gov.in

Executive Engineer
Division-1

S.- 47999

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

Sai Care Hospital
श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय: शाम 5 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवायें
कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डायबिटीज (मधुमेह) उपचार, लिवर व किडनी रोग, पाइल्स (बवासीर) का ऑपरेशन, थाइरॉयड सर्जरी, हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप), ब्रेस्ट लंप / ट्यूमर सर्जरी
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
नकली माल से सावधान

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- बिलासपुर में अकाउंटेंट, इलेक्ट्रीशियन, हाउस कीपिंग स्टाफ (पुरुष), घरेलू खाना बनाने वाली (समय 8am से 7pm) चाहिए। इलेक्ट्रीशियन 3फेज वायरिंग अनुभवी हो। आकर्षक वेतन। अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 6264315731 **(41024)**

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु कम्प्यूटर अनुभवी लड़की/ लड़का, टेलीकॉलिंग हेतु लड़की एवं मार्केटिंग हेतु लड़की/ लड़का की आवश्यकता है सम्पर्क करें- एस.एस. एनर्जी इंटरप्राइजेस वृन्दावन प्लाजा नेहरु चौक बिलासपुर 9827475898, 8234078440 **(41031)**

आवश्यकता है- खेती बाड़ी का कार्य करने हेतु फैमिली वाले की आवश्यकता है जो वहां रहकर कार्य कर सके दोनों मिलाकर तनख्वा- 14000 महीना सम्पर्क करें- 9754293974 **(41030)**

आवश्यकता है- कार ड्राइवर 2पद, कम्प्यूटर अनुभवी फ्रंट आफिस एग्जीक्यूटिव 2पद (M/F) की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार, रहने खाने की सुविधा सम्पर्क करें- होटल डाउन टाउन राजकिशोर नगर बिलासपुर 95163 00022, 9144666000 **(41032)**

आवश्यकता है- मेडिकल एजेन्सी में कार्य करने हेतु कम्प्यूटर आपरेटर लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क करें- मेडिकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 7974670905 **(41026)**

आवश्यकता है- मार्केटिंग के लिए सेल्समैन एवं दुकान में कार्य के लिए कर्मचारी की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- श्री गणपति ट्रेडर्स, मंगला चौक, बिलासपुर 92016 66660 **(41028)**

आवश्यकता है- रेस्टोरेन्ट हेतु फ्राई पेन मिस्त्री, तंदूर रोटी कारीगर, मार्केटिंग स्टोर हेतु युवक (स्वयं का वाहन), वेटर, हेल्पर लड़के/ लड़कियां चाहिए। (खाना रहना फ्री) सम्पर्क करें- मुर्ग मसल्लम रेस्टोरेन्ट बिलासपुर 78791 21999 **(14744)**

आवश्यकता है- अनुभवी OT टेक्नीशियन, अनुभवी X-ray टेक्नीशियन, अनुभवी (Male, Female) नर्सिंग स्टाफ, अनुभवी फार्मासिस्ट (मेडिकल स्टोर हेतु) आवश्यकता है। सम्पर्क करें- प्रभा हॉस्पिटल, महामाया चौक, रतनपुर रोड, लोधीपारा सरकंडा बिलासपुर 74709 46314 **(894)**

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में कार चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। लाइसेन्स, बायोडाटा, आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- नेशनल मेडिकोज, नागरिक सहकारी बैंक के पास, बृहस्पति बाजार 8098797774 **(41029)**

आवश्यकता है-Home Care Services, Mangla Chowk, Bilaspur में Office Boy की अतिशीघ्र आवश्यकता। रहने, खाने की सुविधा उपलब्ध। वेतन योग्यता अनुसार। इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- 9244664654, 9109511248 **(1495)**

आवश्यकता है-घरेलू सभी कार्य हेतु बाई एवं नौकर की अतिशीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार तुरन्त सम्पर्क करें- 7223890879, 9301275222 **(41001)**

आवश्यकता है-व्यापार विहार बिलासपुर स्थित प्रतिष्ठित कम्पनी में काम करने हेतु अनुभवी अकाउंटेंट एवं कार चलाने के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 9179559717 **(41007)**

आवश्यकता है-फोटो स्टूडियो में कम्प्यूटर एवं फोटोकॉपी कार्य करने हेतु लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें-अशोक नगर सरकंडा बिलासपुर 6260689286 **(41021)**

आवश्यकता है-सेनेटरी दुकान में कार्य करने हेतु महिला कर्मचारी 1पद एवं महिला अकाउंटेंट 1पद की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जय श्री कृष्ण ट्रेडिंग त्रिवेणी भवन मार्ग व्यापार विहार बिलासपुर 9425219302 **(886)**

आवश्यकता है-हमारी कंस्ट्रक्शन और इंटीरियर डिजाइनिंग फर्म को बिलासपुर में अनुभवी साइट सुपरवाइजर चाहिए। जुड़िए हमारे प्रोजेक्ट्स से। सैलरी अनुभव के अनुसार होगी। सम्पर्क करें- दोपहर 12 से 4बजे तक 9644328389 **(882)**

आवश्यकता है-फेब्रिकेशन कार्य हेतु अनुभवी वेल्डर एवं हेल्पर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- बी.के. स्टील इंडस्ट्री, खमतराई रोड, बिलासपुर 9300321447 **(41003)**

आवश्यकता है-6वीं से 8वीं (गणित, अंग्रेजी, विज्ञान), 9वीं से 12वीं (विज्ञान, अंग्रेजी भौतिक, संस्कृत) पढ़ाने हेतु शिक्षक, शिक्षिका, एक कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं क्लर्क चाहिए सम्पर्क करें- गुरुकुल विद्या मन्दिर, चिंगराजपारा 8962318092 **(41023)**

आवश्यकता है-रिसेप्शनिस्ट एवं नर्सिंग स्टाफ (फीमेल) की आवश्यकता है (समय सुबह 10बजे से रात 9बजे) वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क करें- स्किन क्योर क्लीनिक ग्राउंड फ्लोर, नारायण प्लाजा लिंक रोड बिलासपुर 95060 60404, 7828093301 **(41022)**

आवश्यकता है-होलसेल मेडिकल दुकान हेतु अनुभवी सेल्समेन, माल निकालने हेतु लड़के/ लड़की, अनुभवी लोकल में माल छोड़ने हेतु, पैकिंग हेतु लड़को की। बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- जगत एजेन्सी/ ट्रेडर्स तेलीपारा बिलासपुर **(41020)**

आवश्यकता है-रात (नाइट ड्यूटी) में काम करने के लिए वेटर की आवश्यकता है ग्रामीण को रहने की सुविधा। आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- किरण लॉज गांधी चौक बिलासपुर **(884)**

आवश्यकता है-सर्जिकल ऑफिस में सामान छोड़ने, लाने हेतु लड़की/ लड़कों (योग्यता 10वीं, 12वी, स्वयं की बाइक अनिवार्य) एवं ड्राईवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्रीविनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर बिलासपुर 98933 67787 **(5371)**

आवश्यकता है-यश सुपर बाजार में काम करने के लिए लड़की और लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- रिंग न-2, गौरव पथ, महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर **(41014)**

आवश्यकता है-होलसेल मेडिकल में बाहर लाइन पर जाकर आर्डर बुकिंग, पेमेन्ट कलेक्शन हेतु अनुभवी सेल्समैन स्वयं की बाइक अनिवार्य, वेतन 12000-15000+एक्सपेंस। मिलें- नितिन मेडिकल एजेन्सी-34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 9827497711 **(41016)**

आवश्यकता है-फर्नीचर फैक्ट्री में कम्प्यूटर ऑपरेटर मैरिड लड़कियों (बिजी, एक्सल जानकार हो, सैलरी 8000 से 12000+) एवं CNC मशीन ऑपरेटर हेतु लड़कों की आवश्यकता है (वेतन 15000 से 20000+) पता उसलापुर पेट्रोल पम्प के पास मेन रोड बिलासपुर 9098909757 **(40979)**

आवश्यकता है-भिलाई नेहरू नगर में घरेलू कार्य करने के लिए दो महिला सहायिकायों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार एवं आवास, भोजन की सुविधा निःशुल्क। इच्छुक महिलाएं सम्पर्क करें- 87709 26641 **(41017)**

आवश्यकता है-ई-बाईक शोरूम में काम करने हेतु कुशल अनुभवी मैकेनिक की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- गणपति ई- व्हीकल्स आर.के. पेट्रोल पम्प के सामने चांटीडीह रोड बिलासपुर 8770332193 **(41010)**

आवश्यकता है-थोक स्टेशनरी दुकान में काम करने के लिए मेहनती लड़कों एवं ड्राइवर की अतिशीघ्र आवश्यकता है सम्पर्क करें- राधे श्याम स्टेशनरी सरजू बगीचा रोड तेलीपारा बिलासपुर **(40884)**

आवश्यकता है-ढाबा में सप्लायर, हेल्पर, तन्दूर मास्टर, हेड मिस्त्री, बर्तन धोने वाले की आवश्यकता है सम्पर्क करे- सुबह 11 से रात 11, रायपुर रोड, हाईकोर्ट के आगे, बोदरी बिलासपुर 7000942962, 9098976666 **(41015)**

आवश्यकता है-फील्ड ऑफिसर (अम्बिकापुर, रायगढ़, कोरबा बिलासपुर जिले में कार्य करने के लिए) एवं टेलीकॉलर, काउन्सलर, कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार फ्रेशर, अनुभवी अभ्यर्थी सम्पर्क करें- 70671 25185, 9302342139 **(41011)**

आवश्यकता है-UTN Shop में सर्वे कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। मासिक सैलरी 10000 से 15000, पता- शॉप नम्बर FS16 प्रथम तल, सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 7806007192, 7999594790 **(40991)**

आवश्यकता है-बिलासपुर में लोकल में छोटा हाथी गाड़ी चलाने के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है। काम का समय सुबह 9बजे से शाम 6बजे तक सम्पर्क करें- मनीष खरे तिफरा बिलासपुर 8319074737 **(41006)**

आवश्यकता है-यूनिवर्सिटी का पीजीडीसीए कोर्स और टेली के साथ जीएसटी पढ़ाने हेतु प्रशिक्षक की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- ग्लोबल कम्प्यूटर्स मेन रोड मसानगंज बिलासपुर दीपाली-92440 82366 **(881)**

आवश्यकता है-साफ सफाई एवं अन्य काम हेतु (परिवार सहित रहकर) मेहनती पुरुष, कार चलाने हेतु ड्राईवर, स्कूल हेतु पुरुष क्लर्क चाहिए। वेतन 10000 आवास फ्री। सम्पर्क करें- राजकिशोर नगर बिलासपुर 7869513348 **(41002)**

आवश्यकता है-बिजली दुकान में काम करने हेतु लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सी-21, नेताजी कॉम्पलेक्स मन्दिर चौक जरहाभाठा बिलासपुर 93015 86381, 9827181236 **(41009)**

बेचना है

बेचना है-चकरभाठा से लेकर बिल्हा रोड के बीच में ग्राम पंचायत रहंगी (चकरभाठा) मेन रोड से लगा 13 डिसमिल डायवर्टेड जमीन मकान बनाने हेतु उपयुक्त बेचना है सम्पर्क करे- 8889919703, 91319 32797 **(41027)**

बेचना है-खमतराई रोड पर स्थित आर.डी. हाइट्स के प्रथम तल पर निर्मित 1050 वर्गफुट में बना सर्व सुविधा युक्त 3BHK फ्लैट तत्काल बेचना है। सम्पर्क करें- 7999037885, 9407698836 **(41012)**

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

बेचना है- प्लाट बेचना है मेन एनटीपीसी सीपत रोड में मोपका मेन रोड में 60×200= 12000 वर्गफीट कमर्शियल प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 9202479945 7828539364 **(41025)**

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारंभ-फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करेः- B.A, B.Com, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A M.Com, M.Sc, MBA, MSW, B.Lib, M.Lib, DCA, PGDCA, Poly-technic, B.Tech, अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें- Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 9826896515 **(4154)**

फायनेंस

फायनेंस-विजया फाइनेन्स द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि, महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधार, पैन कार्ड, प्रति उपलब्ध 2% ब्याज, 30% छूट सम्पर्क- 9981421206, 9437550462 **(4345)**

किराया

किराया-बिलासपुर, व्यापार विहार में गुम्बर पैट्रोल पम्प के पीछे VR NEXUS बिल्डिंग में फर्स्ट फ्लोर 2560 वर्गफुट, सेकेण्ड फ्लोर 1910 वर्गफुट, किराये पर उपलब्ध। (पार्किंग सुविधा) सम्पर्क करें-95897 40766, 9425530355 **(40953)**

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

Medicare Specialists

सोरायसिस एवं चमड़ी रोग
प्रायः सदियों से लोग जानते हैं कि जब कोई रोग किसी भी उपाय से ठीक नहीं होता वो केवल आयुर्वेद के द्वारा ही जड़मूल से ठीक होता है लेकिन कुछ लोगों के मति मारे जाने के कारण अपने को संकट में डाल लेते हैं।
इसे नजर अंदाज कर क्षणिक इलाज से रोग को दबा कर अपने जीवन को संकट में मत डालिए क्योंकि यह जिद्दी व लाईलाज बीमारी है यह दवा से दबकर बार-बार फिर उभरता है। क्योंकि इसका जड़ चमड़ी में नहीं कहीं और है। क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग है सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रुसी, जोड़ों में दर्द, सुजन अंगुलियों का टेढ़ा होना नाखुनों का सड़ना पुराना एक्जिमा रोग है। क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान है जैसे : शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, पेशाब से धातु जाना, उत्तेजना की कमी, मधुमेह जन्य नपुंसकता इत्यादि। ये गुप्त रोगों के नीम हकीमों से बचकर रहे तो इनकी झुठी बातें एवं निराशा से बच सकते हैं।
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर क्लिनिक
आई.एस. ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी.के. अग्रवाल
बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659, 93039-48500
96177-89223, 93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

पाकिस्तान की सादिया को पछाड़कर 'नंबर-1' गेंदबाज बनीं लिंसी स्मिथ

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुबई। इंग्लैंड की लेफ्ट-आर्म स्पिनर लिंसी स्मिथ विमेंस टी20 वर्ल्ड कप से ठीक पहले अपने करियर में पहली बार आईसीसी विमेंस टी20 अंतरराष्ट्रीय बॉलिंग रैंकिंग के शिखर पर पहुंच गई हैं। 31 वर्षीय खिलाड़ी ने न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान की सादिया इकबाल को पछाड़कर 'नंबर-1' स्थान हासिल किया है।

स्मिथ को यह ताज 'व्हाइट फर्न्स' (न्यूजीलैंड) के खिलाफ 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' के तौर पर बेहतरीन प्रदर्शन और ब्रिस्टल में भारत के विरुद्ध इंग्लैंड की हालिया जीत में एक और प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद मिला है।

स्मिथ ने 2018 में किया था इंटरनेशनल डेब्यू

लिंसी स्मिथ ने साल 2018 में इंटरनेशनल डेब्यू किया था, जिसके बाद लंबे वक्त तक नेशनल टीम से बाहर बैठना पड़ा। पिछले साल के आखिर में ही इंग्लैंड की टी20 टीम में एक निमयित सदस्य के तौर पर अपनी जगह पक्की करने के बाद, अब वह इस वर्ल्ड कप में इस फॉर्मेट की सबसे ऊंची रैंक वाली गेंदबाज के तौर पर उतर रही हैं।

श्रीचरणी ने लगाई लंबी छलांग

भारत की उभरती हुई स्पिनर श्रीचरणी इस ताजा रैंकिंग में सबसे ज्यादा फायदा पाने वाली खिलाड़ियों में से एक रहीं। इंग्लैंड के खिलाफ 3 विकेट लेने के बाद चरणी 7 पायदान ऊपर चढ़कर चौथे नंबर पर पहुंच गई हैं। टॉप 10 गेंदबाजों के बीच सिर्फ 39 रेटिंग प्वाइंट्स का अंतर है। ऐसे में वर्ल्ड कप से पहले 'नंबर 1' बनने की दौड़ रोमांचक बनी हुई है।

बल्लेबाजी रैंकिंग में जेमिमा को फायदा

बल्लेबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई ओपनर जॉर्जिया वोल ने टॉप स्थान बरकरार रखा है। इस बीच टॉप 10 से बाहर मौजूद कई खिलाड़ियों ने भी रैंकिंग में काफी सुधार किया। भारत की जेमिमा रोड्रिग्स बल्ले से शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर पहुंच गई हैं। आयरलैंड की ऑलराउंडर ओर्ला प्रेंडरगास्ट 10 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 16वें स्थान पर पहुंच गईं, जिन्होंने डबलिन में वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 71 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी। इस आयरिश स्टार को ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में भी और सफलता मिली, जिसमें वह एक स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। वहीं टॉप-10 बल्लेबाजों में भारत की दो खिलाड़ी शामिल हैं, जिसमें सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना पांचवें और शेफाली वर्मा सातवें स्थान पर हैं।

निगार सुल्ताना ने हासिल किया 20वां स्थान

बांग्लादेशी कप्तान निगार सुल्ताना ने भी बल्लेबाजों की रैंकिंग में 4 स्थान की छलांग लगाते हुए 20वां स्थान हासिल कर लिया है। पाकिस्तान की सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली दो स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 32वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

खबर संक्षेप

ब्रिटिश ओपन से बाहर अभय और चोटरानी

बर्मिंघम। भारत के अभय सिंह और वीर चोटरानी पुरुष वर्ग के दूसरे दौर के मैचों में विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में शामिल खिलाड़ियों के सामने कड़ी चुनौती पेश करने में नाकाम रहे और यहां अपने-अपने मैच हारकर ब्रिटिश ओपन स्क्वाश से बाहर हो गए। विश्व में 24वें नंबर के खिलाड़ी अभय एक करीबी मुकाबले में मिस्र के विश्व में आठवें नंबर के खिलाड़ी मोहम्मद जकारिया से 9-11, 4-11, 11-7, 10-12 से हार गए। एक अन्य मैच में विश्व के 40वें नंबर के खिलाड़ी चोटरानी को वेल्श के विश्व में छठे नंबर के खिलाड़ी जोएल मैकिन ने 12-10, 11-9, 11-3 से हराया। अनाहत सिंह और रमित टंडन पिछले सप्ताह पहले दौर में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे।

लालथंटलुआंगी और शिल्पी महिला हॉकी टीम में शामिल

नई दिल्ली। युवा डिफेंडर लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारत को टूर्नामेंट में जापान, अमेरिका और उरुग्वे के साथ पूल ए में रखा गया है, जबकि पूल बी में मेजबान न्यूजीलैंड, चिली, कोरिया और फ्रांस शामिल हैं। भारत 15 जून को अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, जिसके एक दिन बाद उसका सामना जापान से होगा। पूल चरण के अंतिम मैच में उसका मुकाबला 18 जून को उरुग्वे से होगा। सेमीफाइनल 20 जून और फाइनल 21 जून को खेला जाएगा। सलीमा टेटे इस टूर्नामेंट में भी टीम की कप्तानी करेगी। सविता और बिचु देवी खारीबाम गोलकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे।

विश्व योगासन चैंपियनशिप में हिस्सा लेगी अमेरिकी टीम

न्यूयॉर्क। अमेरिका की योग टीम 4 से 8 जून तक अहमदाबाद में होने वाली पहली विश्व योगासन चैंपियनशिप में भाग लेगी। अमेरिकी योग संघ (यूएसवाईए) की विज्ञप्ति के अनुसार अमेरिकी योगासन खेल महासंघ (यूएसआईएसएफ) ने यूएसवाईए और विश्व योगासन के सहयोग से यह टीम तैयार की है। अमेरिकी योग संघ और यूएसवाईएसएफ के संस्थापक एवं अध्यक्ष बलविंदर सिंह 11 सदस्यीय अमेरिकी टीम का नेतृत्व करेंगे। भारत में होने वाली चैंपियनशिप के लिए टीम का चयन अप्रैल में कनेक्टिकट में क्वार्टरफाइनल ट्रायल के आधार पर किया गया था। टीम में शामिल खिलाड़ियों की उम्र 10 से 55 वर्ष के बीच है और वह विभिन्न आयु वर्ग की स्पर्धाओं चुनौती पेश करेंगे।

अफगानिस्तान टेस्ट से पहले बीसीसीआई ने लिया अचानक फैसला

आकिब ने टीम इंडिया में मारी एंट्री टेस्ट के लिए स्क्वाड में हुए शामिल

बल्लेबाजों को नेट पर अभ्यास कराएंगे नबी और प्रिंस

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी डार को अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए भारत के नेट अभ्यास सत्र के लिए चुने गए 6 गेंदबाजों में शामिल किया गया है। नबी को इस मैच के लिए टेस्ट टीम में नहीं चुने जाने पर चयन समिति को आलोचना का सामना करना पड़ा था। नबी के अलावा आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलने वाले उत्तर प्रदेश के लेग स्पिनर जीशान अंसारी को भी नेट अभ्यास के लिए बुलाया गया है क्योंकि अफगानिस्तान की टीम में कलाई के स्पिनर होने की संभावना है। नेट अभ्यास के लिए जिन अन्य गेंदबाजों को बुलाया गया है उनमें बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर शिवांग कुमार, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह, आईपीएल की खोज तेज गेंदबाज प्रिंस यादव और ऑफ स्पिनर सारांश जैन शामिल हैं।

आकिब को आईपीएल में भी खेलने का मिला मौका

रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने की वजह से आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन में भी आकिब नबी की बंपर कमाई हुई थी। आकिब को ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने 8.40 करोड़ रुपए में खरीदा था। हालांकि नबी का डेब्यू आईपीएल सीजन इतना अच्छा नहीं रहा। आकिब नबी को आईपीएल 2026 में 5 मैच खेलने के मौके मिले, जिसमें उन्होंने 11.46 की इकॉनमी से रन दिए और एक भी विकेट नहीं लिया। लेकिन रेड बॉल से नबी ने अब तक डॉमेस्टिक क्रिकेट में काफी नाम कमाया है।

6 जून से शुरू होगा टेस्ट

भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाला एकमात्र टेस्ट मैच 6 जून से शुरू होगा। टेस्ट मैच मुल्लांपुर के महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। टीवी पर भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाला टेस्ट मैच स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर प्रसारित होगा।

नेट गेंदबाज के रूप में टीम में शामिल 6 बॉलर्स

भारतीय क्रिकेट बोर्ड कहा, 'गुरजपनीत सिंह, आकिब नबी, प्रिंस यादव, सारांश जैन, जीशान अंसारी और शिवांग कुमार टेस्ट मैच की तैयारी में टीम की मदद करने के लिए नेट गेंदबाज के रूप में भारतीय टीम में शामिल किए गए हैं।' इससे पहले बीसीसीआई के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर बताया, 'आकिब नबी को भारतीय नेट अभ्यास सत्र में शामिल होने के लिए कहा गया है। आकिब ही नहीं पांच अन्य गेंदबाजों को भी नेट अभ्यास के लिए बुलाया गया है। भारतीय टीम के दो प्रमुख तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा सात दिन में आईपीएल के तीन मैच खेलने के कारण नेट अभ्यास में पूरी ताकत नहीं झोंक सकते हैं। बल्लेबाजों को पर्याप्त अभ्यास की जरूरत है।

गुजरात टाइटंस के सात खिलाड़ी टेस्ट टीम का हिस्सा

नबी ने 60 विकेट लेकर जम्मू कश्मीर को रणजी ट्रॉफी चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी लेकिन भारतीय टीम में उनके बजाय पंजाब के लंबे कद के तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को प्राथमिकता दी गई। भारतीय टीम के पहले अभ्यास सत्र में आईपीएल फाइनल में खेलने वाले खिलाड़ियों को छोड़कर अन्य सभी खिलाड़ियों के भाग लेने की उम्मीद है। आईपीएल की उपविजेता गुजरात टाइटंस के सात खिलाड़ी (कप्तान शुभमन गिल, साई सुदर्शन, गुरनूर बराड़, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, मानव सुथार और वाशिंगटन सुंदर) टेस्ट टीम का हिस्सा हैं।

फ्रेंच ओपन

क्वार्टर फाइनल में सबालेंका, क्ले कोर्ट पर ओसाका का 'फैशन शो'

एजेंसी ▶▶| पेरिस

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेंका ने अपनी रंग बिरंगी पोशाक के कारण विशेष रूप से चर्चा में रही नाओमी ओसाका के विजय अभियान पर विराम लगाकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सबालेंका ने ओसाका को 7-5, 6-3 से हराकर यह क्ले-कोर्ट ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने के और करीब पहुंच गईं, जहां उन्हें पिछले साल कोको गॉफ से फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। ओसाका इस मैच के लिए भी सुनहरे सेक्विन वाली पोशाक के ऊपर एक सुनहरी बॉम्बर जैकेट पहनकर कोर्ट पर उतरीं। फैशन की मामले में भले ही ओसाका ने बाजी मारी हो लेकिन खेल के मामले में सबालेंका का कोई सानी नहीं था, जिन्होंने अपनी इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपना करियर रिकॉर्ड 3-1 कर दिया। ओसाका पहली बार इस टूर्नामेंट के चौथे दौर में खेल रही थीं। सबालेंका का क्वार्टरफाइनल में मुकाबला डायना श्नाइडर से होगा, जिन्होंने मैडिसन कीज को 6-3, 3-6, 6-0 से हराया।

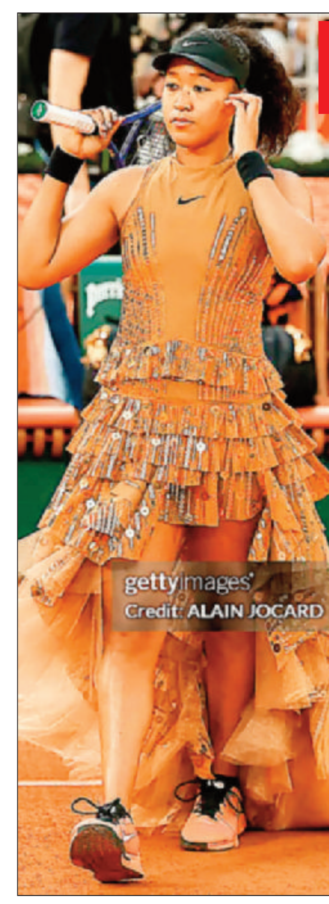

ओसाका ने जीते पहले दो गेम

ओसाका ने मैच की शानदार शुरुआत की और पहले दो गेम जीत लिए। दूसरी ओर, सबालेंका शुरू से ही संघर्ष करती नजर आईं। उन्होंने पांच ऐसी गलतियां कीं जो बिना दबाव के हुईं, जिनमें एक डबल फॉल्ट भी शामिल था। यह डबल फॉल्ट ब्रेक पॉइंट पर हुआ, जिससे ओसाका को शुरुआती बढ़त बनाने में मदद मिली। शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सबालेंका ने खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की। उन्होंने दो शानदार फोरहैंड विनर लगाए और तुरंत ब्रेक की भरपाई कर ली। इसके बाद उन्होंने पूरे मैच में अपनी सर्विस मजबूत रखी। रिपोर्ट के अनुसार, मैच के बाकी हिस्से में उन्हें एक भी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा और उनके सर्विस गेम शायद ही कभी ड्यूस तक पहुंचे।

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट

दिव्या टाइटल रेस में कायम प्रज्ञानानंदा-गुकेश जीते

एजेंसी ▶▶| ओस्लो

पिछले दौर में निराशाजनक प्रदर्शन करने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में शानदार वापसी करके खिताब की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा।

विश्व चैंपियन डी गुकेश और आर प्रज्ञानानंदा ने ओपन वर्ग में महत्वपूर्ण जीत हासिल की जबकि दिव्या देशमुख ने महिला वर्ग में हमवतन कोनेरु हम्पी को हराया। छठे दौर में चारों भारतीय खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़ा था। गुकेश ने अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो के खिलाफ मुकाबले में 1.5 अंक हासिल किए। उन्होंने क्लासिकल बाजी में मौका गंवाने के बाद आर्मागेडन टाई-ब्रेक में जीत हासिल करके अपना कुल स्कोर 8 अंक पर पहुंचाया। वह हालांकि छह खिलाड़ियों के डबल राउंड-रॉबिन तालिका में सबसे निचले स्थान पर हैं।

दिव्या ने की अपनी स्थिति मजबूत

दिव्या ने हम्पी को आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हराकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। उन्हें अगले दौर में शीर्ष पर चल रही बिबिसारा असौबायेवा का सामना करना है जिसमें जीत पर वह बढ़त हासिल कर सकती है। असौबायेवा ने हालांकि अपनी शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए क्लासिकल बाजी में चीन की झू जिनर को हराकर पूरे तीन अंक हासिल किए। उनके अब 12.5 अंक हैं। दिव्या के 10 अंक हैं।

प्रज्ञानानंदा ने हासिल किए पूरे 3 अंक

प्रज्ञानानंदा ने फ्रांसीसी ग्रैंडमास्टर अलीरेजा फिरोजा को लगातार दूसरी बार क्लासिकल बाजी में हराकर पूरे तीन अंक हासिल किए। उनके अब 9 अंक हो गए हैं। प्रज्ञानानंदा इसके बावजूद पांचवे जबकि गुकेश छठे स्थान पर बने हुए हैं। इस टूर्नामेंट में अभी तीन दौर की बाजियां खेली जानी बाकी हैं और भारतीय खिलाड़ियों के पास वापसी करके शीर्ष पर पहुंचने का मौका है। वेस्ली सो 12.5 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर बने हुए हैं, जबकि अलीरेजा 10 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। प्रज्ञानानंदा, विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन और जर्मनी के विंसेंट कीमर सभी समान 9 अंकों के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। सात बार के चैंपियन कार्लसन ने कीमर को आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हराया।

इंडोनेशिया ओपन : सिंधू ने 51 मिनट में थाईलैंड खिलाड़ी को दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| जकार्ता

पीवी सिंधु ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बावजूद सीधे गेम में जीत हासिल करके इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया, लेकिन किदांबी श्रीकांत पहले दौर की बाधा पार करने में नाकाम रहे।

सिंधु ने इस सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के मैच में थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान को 51 मिनट में 25-23, 21-16 से पराजित किया। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्हें पहले गेम में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने शुरू से लेकर आखिर तक अपनी लय बरकरार रखी और सीधे गेम में जीत दर्ज की। गैर-वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी सिंधु का सामना दूसरे दौर में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन और विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से-यंग से हो सकता है, जिन्होंने उन्हें पिछले सप्ताह सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में हराया था। आन के खिलाफ भारतीय खिलाड़ी का रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच अभी तक जो 9 मैच खेले गए हैं उन सभी में सिंधु को हार का सामना करना पड़ा।

पोडियम के शीर्ष स्थान पर अतीका राष्ट्रगान बजने पर हुई भावुक

थेसालोनिकी। महज 11 वर्षीय भारतीय रेसर (कार्ट रेसिंग ड्राइवर) अतीका मीर ने विश्व मोटरस्पोर्ट मंच पर अपनी प्रतिभा का एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए 'चैंपियंस ऑफ द फ्यूचर' अकादमी प्रोग्राम के दूसरे दौर में क्वालिफाइंग, हीट रेस और फाइनल्स में जीत दर्ज कर करियर की सबसे प्रभावशाली सफलता हासिल की। ट्रैक पर पूरे सप्ताहांत संयम और आत्मविश्वास के साथ कमाल का प्रदर्शन करने वाली अतीका पोडियम के शीर्ष स्थान पर खड़ी होकर भारतीय राष्ट्रगान बजने के दौरान भावुक हो गईं।

अतिका ने प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में कायम किया दबदबा

फार्मूला वन अकादमी का समर्थन पाने वाली अतीका ने ओके-एनजे (12-14 वर्ष आयु वर्ग) श्रेणी में बेहद प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में दबदबा कायम किया। उन्होंने इस वर्ग में अपने पहले ही सत्र में कई अनुभवी पुरुष ड्राइवरों को कड़ी चुनौती देते हुए असाधारण प्रदर्शन किया। पूरे सप्ताहांत अतीका का प्रदर्शन अन्य प्रतिभागियों से कहीं बेहतर रहा। क्वालिफाइंग से लेकर हीट रेस और दोनों फाइनल्स तक उन्होंने अपना दबदबा बनाए रखा।

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD
इंडियन बैंक
अंचल कार्यालय, रायपुर (छ.ग.)
ई-नीलामी
दि.- 16.07.2026
समय: सुबह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक

परिशिष्ट-IV-क {(नियम- 8(6) का परन्तुक देखें} अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित है, का **सांकेतिक कब्जा** इंडियन बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जहाँ है,जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर नीचे उल्लेखित खातों में देय राशी की वसूली हेतु बेचा जाएगा. उधारकर्ता(ओं) / जमानतदार(ओं)/ प्रतिभूत संपत्तियों/ बकाया राशी / आरक्षित मूल्य/ अग्रिम राशी / ई-नीलामी की तिथि व समय एवं बोली वृद्धि राशी का विशिष्ट विवरण नीचे वर्णित है:-

क्र.	उधारकर्ता व जमानतदार का नाम एवं पता	संपत्ति का विवरण / संपत्ति का अन्य ऋण भार- ज्ञात नहीं	बकाया राशि	आरक्षित मूल्य	अग्रिम राशि	बोली जमा करने की वृद्धिशील राशि	संपत्ति आईडी क्र.
1	**शाखा: पावर हाउस कोरबा उधारकर्ता- मेसर्स सिंह एसोसिएट्स, प्रोप.- श्री सतवंत सिंह सलूजा** पिता प्रीतम सिंह सलूजा, **जमानतदार- श्री कुलवंत सिंह सलूजा** पिता प्रीतम सिंह सलूजा. सभी का पता- प्लॉट नं. 422, इंदिरा वाणिज्यिक एवं आवासीय परिसर, टीपी नगर, कोरबा, छ.ग. 495677	खसरा नंबर 188/1K/4, प.ह. नंबर 16, आवासीय प्लॉट नंबर 423 का भाग, इंदिरा कमर्शियल एंड रेजिडेंशियल सेंटर, टीपी नगर, आरएनएम एवं तहसील कोरबा (छ.ग) में क्षेत्रफल -1500 वर्गफुट पर स्थित संपत्ति, वाणिज्यिक सह आवासीय प्लॉट, मालिकाना हक- श्री सतवंत सिंह सलूजा पिता श्री प्रीतम सिंह सलूजा सीमाएँ: उत्तर: प्लॉट नंबर 424, दक्षिण: प्लॉट नंबर 422, पूर्व: 40 फीट रोड, पश्चिम: प्लॉट नंबर 432	रु. 5198874.00 + दिनांक 01.06.2026 से ब्याज एवं अन्य खर्च	रु. 83.08 लाख	रु. 8.31 लाख	रु. 10,000.00	IDIB30490949067
				संपर्क व्यक्ति:- सुशांता राउत- 7261028521			

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करे : 9439223185 & 8902712622

नोट: यह नोटिस उधारकर्ता/ जमानतदार /बंधककर्ता और कानूनी उत्तराधिकारियों के लिए भी है

इच्छुक बोलीदाताओं / खरीदारों से अनुरोध है कि वे अपने मोबाइल नंबर एवं ईमेल आईडी का उपयोग करके ऑनलाइन पोर्टल **(https://www.baanknet.com)** पर पंजीकरण करें। इसके अलावा, अपना ईकेवाईसी पूरा करने के बाद, इच्छुक बोलीदाताओं / खरीदारों को ईएमडी राशि अपने ई-वॉलेट में दिनांक **16.07.2026** तक, पोर्टल में ई-नीलामी तिथि और समय से पूर्व स्थानांतरित करनी होगी। पंजीकरण, ईकेवाईसी व वॉलेट में ईएमडी का हस्तांतरण नीलामी से पूर्व ही पूरा किया जाना चाहिए । संपत्ति के विवरण व संपत्ति की तस्वीर एवं नीलामी के नियमों व शर्तों के लिए कृपया देखें: **https://www.baanknet.com** एवं इस पोर्टल से संबंधित स्पष्टीकरण के लिए, कृपया संपर्क करें **(फोन- 8291220220, ईमेल आईडी- support.baanknet@psballiance.com)**. बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे **https://www.baanknet.com** वेबसाइट पर संपत्ति खोजते समय ऊपर उल्लिखित संपत्ति आईडी नंबर का उपयोग करें।

दिनांक: 03.06.2026, स्थान- कोरबा
प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक

पश्चिम मध्य रेल
ई-निविदा सूचना निविदा संख्या
EPCofET-KNW-7EI-WCR
दिनांक 27/05/2026

मंडल संकेत एवं दूरसंचार इजी (प्रोजेक्ट) पश्चिम मध्य रेल्वे, भोपाल भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **निविदा संख्या :** EPCofET-KNW-7EI-WCR, **कार्य का नाम :** ET-KNW खंड, भोपाल डिवीजन, वेस्ट सेंट्रल रेलवे के HDN/HUN मार्गों में सुरगांव बंजारी, चारखेड़ा खुर्द, छनेरा, बारूद, डागरखेड़ी, इटारसी-बी केबिन और बीर स्टेशनों (कुल 7 स्टेशन) पर विद्यमान PI के स्थान पर EI की व्यवस्था जिसमें इनडोर और आउटडोर सिग्नलिंग तथा दूरसंचार कार्य, EI भवनों का निर्माण, सामान्य लाइटिंग, AT की व्यवस्था आदि शामिल हैं।, **कार्य की अनुमानित लागत :** 832088586.30, **बयाना राशि :** 16641800.00, **टेण्डर फॉर्म की कीमत :** 0.00, **कार्य समाप्ति अवधि :** 720 (दिन) हार्वेस्ट एवं मानसून अवधि सहित, **टेण्डर जमा करने की तारीख :** 01/07/2026, 15:00 बजे तक पूर्ण टेण्डर शिड्यूल से संम्बधित सम्पूर्ण जानकारी रेल्वे वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा/बोलीदाताओं के पास क्लास ए डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना आवश्यक है और आई.आर.ई.पी.एस. पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिये। केवल पंजीकृत निविदा/बोलीदाताओं ई-टेण्डरिंग पर भाग ले सकते है। सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किया जाना चाहियें। मिनिमम एलिजिबिलिटी काईटेरिया एम.ई.सी (ए) एवं (बी) और बिड केपेसिटी से संम्बधित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in. पर उपलब्ध हैं।

हस्ता.
उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजी (प्रोजेक्ट), पश्चिम मध्य रेल, भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

" फॉर्म संख्या INC-26"
[कंपनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के अनुसार]
[कंपनी के पंजीकृत कार्यालय को एक राज्य से दूसरे राज्य में स्थानांतरित करने के लिए समाचार पत्र में प्रकाशित किया जाने वाला विज्ञापन]
समक्ष, केंद्रीय सरकार,
क्षेत्रीय निदेशक, दक्षिणपूर्वी क्षेत्र
कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 की उपधारा (4) और कंपनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के उप-नियम (5) के खंड (क) के मामले में
- और -
मेसर्स यूबी वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड (CIN: U27310CT2007PTC020346) के मामले में, जिसका पंजीकृत कार्यालय औद्योगिक क्षेत्र नयनपुर, डाकघर में स्थित है। सूरजपुर, सरगुजा, सूरजपुर-497229, छत्तीसगढ़
.........याचिकाकर्ता
आम जनता को सूचित किया जाता है कि कंपनी, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के अंतर्गत केंद्र सरकार को आवेदन करने का प्रस्ताव करती है, जिसमें 14.03.2026 को आयोजित असामान्य आम बैठक में पारित विशेष प्रस्ताव के अनुसार कंपनी के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन में परिवर्तन की पुष्टि की मांग की जाएगी, ताकि कंपनी अपना पंजीकृत कार्यालय छत्तीसगढ़ राज्य से उत्तर प्रदेश राज्य में स्थानांतरित कर सके।
कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में प्रस्तावित परिवर्तन से जिनके हितों पर प्रभाव पड़ने की संभावना है, वे **एमसीए-21 पोर्टल (www.mca.gov.in) पर निवेशक शिकायत प्रपत्र** भरकर या किसी अन्य माध्यम से अपने हितों की प्रकृति और विरोध के कारणों का उल्लेख करते हुए हलफनामे सहित अपनी आपत्तियां क्षेत्रीय निदेशक, दक्षिणपूर्वी क्षेत्र को **पता: चौथी मंजिल, कॉर्पोरेट भवन, बंदलागुडा, नागोल, टाटियानाराम गांव, हयात नगर मंडल, रंगा रेड्डी जिला, हैदराबाद-500068, तेलंगाना में इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के भीतर** भेज सकते हैं। इसकी एक प्रति आवेदक कंपनी के पंजीकृत कार्यालय, नीचे दिए गए पते पर भी भेजी जानी चाहिए :
औद्योगिक क्षेत्र, नयनपुर, डाकघर, सूरजपुर, सरगुजा, सूरजपुर-497229, छत्तीसगढ़।
कृते-यूबी वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड हस्ताक्षरित/-
सही/- (संजीव कुमार उपाध्याय)
दिनांक : 02.06.2026 निदेशक
स्थान : सूरजपुर DIN- 05186923

यहां स्कूलों में पिलाई जाती थी शराब, खुद मां-बाप भेजते थे बोतल

पेरिस। आज के समय में शराब को स्वास्थ्य के लिए बेहद नुकसानदायक माना जाता है। सरकारें इसे छोड़ने की अपील करती हैं, स्कूलों में सख्ती बरती जाती है और बच्चों को इससे दूर रखने की कोशिश की जाती है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि कुछ दशक पहले फ्रांस में ठीक उलटा हो रहा था? फ्रांस के स्कूलों में बच्चों को नियमित रूप से शराब पिलाई जाती थी। माता-पिता खुद बच्चों के लंच बॉक्स में वाइन, बीयर या साइडर की बोतल डालकर भेजते थे। लंच ब्रेक में बच्चे दोस्तों के साथ बैठकर पेग बनाते और एंजॉय करते थे।

आम थी परंपरा

यह परंपरा 20वीं सदी के मध्य तक फ्रांस के कई इलाकों में आम थी। उस समय शराब को पौष्टिक भोजन का हिस्सा माना जाता था। लोग मानते थे कि शराब पानी से ज्यादा सुरक्षित है, क्योंकि पानी अक्सर दूषित होता था। साथ ही इसे पाचन शक्ति बढ़ाने और शरीर को गर्म रखने वाला माना जाता था। छोटे बच्चों को दिन में आधा लीटर तक शराब दी जाती थी। उम्र बढ़ने के साथ मात्रा भी बढ़ जाती थी। स्कूलों में लंच टाइम सबसे मजेदार होता था। बच्चे अपनी-अपनी बोतल निकालते, दोस्तों के साथ शेयर करते और खाने के साथ शराब पीते थे।

स्टडी

सिंगल लोग खुश हैं या शादी करने वाले?

नई रिसर्च में हुआ हैरान करने वाला खुलासा, तोड़ दिया पुराना भ्रम

निकोसिया। सदियों से समाज में यह माना जाता रहा है कि एक रोमांटिक पार्टनर का होना ही इंसान की असली खुशी और मानसिक शांति की गारंटी है। लोग सोचते हैं कि जो सिंगल हैं, वे दुखी हैं और जो कपल हैं, वे बेहद भाग्यशाली हैं। लेकिन, साल 2026 की एक नई और बड़ी साइंटिफिक स्टडी ने इस पुरानी सोच को पूरी तरह से हिलाकर रख दिया है। रिसर्चर्स ने दावा किया है कि एक घुटने वाले या खराब रिश्ते में रहने से कहीं ज्यादा बेहतर और मानसिक रूप से सेहतमंद इंसान का सिंगल रहना है। यह स्टडी साफ करती है कि जबरदस्ती का रिश्ता आपकी मानसिक सेहत को बर्बाद कर सकता है।

हजारों लोगों पर सालों तक चली रिसर्च

इस अनोखी स्टडी को निकोसिया यूनिवर्सिटी के मेनेलाओस अपोस्टोलू और यरूशलेम की हिब्रू यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर एल्याकिम किसलेव ने लीड किया है। यह पूरी रिपोर्ट 'पर्सनालिटी एंड इंडिविजुअल डिफरेंसेस' जर्नल में पब्लिश की गई है। वैज्ञानिकों ने जर्मनी में हुए एक बड़े सर्वे के तहत लगभग 12,000 लोगों के डेटा का बारीकी से विश्लेषण किया। इस स्टडी की सबसे खास बात यह थी कि इसमें शामिल लोगों की खुशियों और उनके रिलेशनशिप स्टेटस में आने वाले बदलावों को कई सालों तक लगातार ट्रैक किया गया।

रिश्ते का टैग नहीं, क्वालिटी है जरूरी

प्रोफेसर किसलेव के अनुसार, रिसर्च में यह बात सामने आई कि खुश रहने के लिए यह जरूरी नहीं है कि आपके पास कोई पार्टनर है या नहीं। बल्कि, सबसे जरूरी बात यह है कि आपके रिश्ते की क्वालिटी कैसी है। स्टडी से पता चला कि जो लोग एक बेहतरीन और समझदारी वाले रिश्ते में थे, वे सबसे ज्यादा खुश थे। लेकिन, जो लोग एक खराब या बस नाम के रिश्ते को खींच रहे थे, उनकी मानसिक स्थिति अकेले रहने वाले सिंगल लोगों से भी ज्यादा खराब पाई गई।

समझौता करने से बेहतर है अकेले रहना

इस पूरी रिसर्च का कुल निचोड़ यही है कि एक अच्छे और सच्चे पार्टनर के साथ जुड़ना बेशक आपकी जिंदगी को खूबसूरत बनाता है। लेकिन, सिर्फ समाज के डर से या अकेलेपन से बचने के लिए किसी गलत इंसान के साथ समझौता कर लेना सबसे बड़ी भूल है। एक कड़वे रिश्ते में रहकर रोज-रोज घुटने से लाख गुना बेहतर है कि आप सिंगल रहें, खुद से प्यार करें और अपनी मानसिक शांति को पहली प्राथमिकता दें।

सिंगल लोग जी रहे हैं ज्यादा सुकून की जिंदगी

रिसर्च के नतीजे बताते हैं कि खराब या औसत दर्जे के रिश्तों में रहने वाले लोग हर दिन मानसिक तनाव, लड़ाई-झगड़े और असंतोष का सामना करते हैं। यह स्थिति उनके दिमाग पर एक बड़ा बोझ डालती है। इसके विपरीत, जो लोग सिंगल हैं, वे किसी भी तरह के इमोशनल ड्रामे से दूर रहते हैं। उन्हें अपने जीवन में सकारात्मक भावनाएं महसूस करने के ज्यादा मौके मिलते हैं। इसलिए वे एक टॉक्सिक रिलेशनशिप में रहने वाले इंसान से कहीं ज्यादा सुकून में हैं।

6 साल से बंद नहीं हुई आंखें और लगातार बहते रहते हैं आंसू

बीजिंग। चीन से एक बेहद हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। जहां एक महिला ने खूबसूरत दिखने के लिए एक सर्जरी कराई थी, जो उसे भारी पड़ गया। हर किसी की चाहत होती है कि वो खूबसूरत दिखे। कई लोग खूबसूरत दिखने के लिए कॉस्मेटिक सर्जरी की मदद लेते है। कई बार इसके नतीजे अच्छे होते हैं, लेकिन कुछ मामलों में यह जीवन भर का दर्द दे जाते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, महिला ने वर्ष 2020 में डबल आईलिड सर्जरी कराई थी, जो आंखों की पलकों को ज्यादा आकर्षक बनाने के लिए की जाती है। लेकिन, सर्जरी के बाद महिला की हालत खराब होने लगी। अब ऐसा हो गया है कि बीते छह साल से वो अपनी आंखों पूरी तरह बंद करके सो भी नहीं पाती है। पूर्वी चीन की रहने वाली महिला का नाम वांग है। उसने जियांग्सू प्रांत के सूझोउ शहर में एक कॉस्मेटिक क्लिनिक में आंखों की सर्जरी कराई थी। उसने इसके लिए 12 हजार युआन (1.4 लाख रुपए) खर्च किए थे। महिला को उम्मीद थी कि सर्जरी के बाद उसकी आंखें ज्यादा आकर्षक और बड़ी दिखेंगी। लेकिन, सर्जरी के बाद उसे महसूस हुआ कि कुछ गड़बड़ हो चुकी है।

डायनासोर की दुनिया का बगुला आया सामने!

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के पैटागोनिया में वैज्ञानिकों ने एक ऐसी प्रजाति खोजी है, जो डायनासोर के बारे में हमारी सोच बदल देगी। 'कनक ऑस्ट्रेलिस' नाम का यह जीव करीब 7 करोड़ साल पहले धरती पर था। मशहूर वेलोसिराप्टर का 'रिश्तेदार' होने के बावजूद, यह जमीन पर शिकार करने के बजाय नदियों और तालाबों के किनारे घात लगाकर बैठता था। इसकी लचीली गर्दन और बनावट बिल्कुल आधुनिक बगुले जैसी थी, जिससे यह पानी में पलक झपकते ही मछलियों को दबोच लेता था। कशेरुकी जीवाश्म विज्ञान पत्रिका में छपी रिसर्च बताती है कि पैटागोनिया की नदियों में रहने वाला यह शिकारी मछली, मेंढक और छोटे जीवों को अपना निशाना बनाता था।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, : RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail :